सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

भोपाल

गुरुवार, 16 जनवरी, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-137 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

प्रसंगवश

पुरुष केन्द्रित भारतीय गेमिंग की दुनिया को कैसे बदल रहीं महिलाएं

अलमिना खातून

25 वर्षीय हर्षलीन कौर हफ्ते के ज्यादातर दिन दिल्ली में बतौर ग्राफिक डिजाइनर बिताती हैं। लेकिन जैसे ही वीकेंड आता है, वह 'कायरा' बन जाती हैं। अपने गुलाबी रोशनी वाले कमरे में, हेडफोन लगाए हुए, वह वर्चुअल बैटलफील्ड पर एक माहिर स्नाइपर बन जाती हैं। यही उनकी असली पहचान है, वह कहती हैं – एक जुनूनी गेमर और स्ट्रीमर। सिवाय इसके कि जिस गेमिंग लॉबी में वह शामिल होती है उसमें उसका हमेशा स्वागत नहीं होता है।

'शायद उसके किचन के काम खत्म हो गए हैं, इसलिए वह यहां है। वह कुछ ही मिनटों में गायब हो जाएगी और वहीं वापस चली जाएगी, जहां उसकी जगह है।' 'तुम्हारा चेहरा ही यहां अच्छा है, तुम्हारे गेमिंग स्किल्स नहीं। मेकअप पर कम समय लगाओ और गेमिंग में ज्यादा महारत हासिल करो।'

ये कुछ ऐसे कमेंट्स हैं जो कायरा ने यूट्यूब पर वैलोरेंट खेलते हुए सुने। वैलोरेंट एक टैक्टिकल मल्टीप्लेयर शूटिंग गेम है, जो पुरुष गेमर्स के दबदबे वाला है। नकी हेडशोट निशाने पर सटीक लगती हैं, लेकिन सम्मान पाना उनके लिए कहीं अधिक मुश्किल लक्ष्य है। 'चाहे आप कितने भी कुशल हों, पुरुष गेमर्स हमेशा आपको नीचा दिखाने का कोई न कोई तरीका निकाल लेंगे। इसका सबसे अच्छा उपाय है कि इसे नजरअंदाज करें और अपने स्किल्स पर फोकस करें।'

भारत का गेमिंग उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और 2029 तक 9.2 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की राह पर है, लुमिकाई की रिपोर्ट के अनुसार, जो देश का अग्रणी गेमिंग वेंचर कैपिटल फंड है। और इसमें महिलाओं की बड़ी भागीदारी है, जो अब भारत के 507 मिलियन गेमर्स में से 44 प्रतिशत का हिस्सा हैं। लेकिन कायरा जैसी महिलाओं के लिए, गेमिंग कई तरीकों से एक युद्ध क्षेत्र है। वे सेक्सिस्ट ट्रोलिंग का शिकार होती हैं, महिलाओं के लिए अलग से टूर्नामेंट बेहद कम हैं, और एक ऐसे उद्योग में गंभीरता से लिया जाना एक संघर्ष है, जहां अभी भी पुरुषों का दबदबा है।

कई महिलाएं अब नई राह चुन रही हैं। प्रतियोगी टूर्नामेंट्स में पूर्वाग्रहों का सामना करने के बजाय, वे यूट्यूब, ट्विच, और इंस्टाग्राम गेमिंग जैसे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स की ओर रुख कर रही हैं। यहां वे अपनी शर्तों पर खेल सकती हैं, प्रदर्शन कर सकती हैं और अपनी ऑडियंस बना सकती हैं, पारंपरिक गेमिंग स्पेस की दुश्मनी और गेटकीपिंग से दूर। कुछ महिलाएं अपने गेमिंग कौशल को लाइफस्टाइल कंटेंट के साथ जोड़ रही हैं और एक अनोखा और बढ़ता हुआ क्षेत्र बना रही हैं। 'जो महिलाएं गेमिंग को लेकर जुनूनी हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि अलग होना और अलग रास्ता चुनना बिल्कुल ठीक है,' लुमिकाई की फाउंडिंग जनरल पार्टनर सलोनी सहगल ने कहा। 'अंकिता चौहान, शगुफ्ता इकबाल, पायल धरे जैसी महिला गेमर्स और स्ट्रीमर्स लंबे समय से गेमिंग को लोकप्रिय बना रही हैं। वे केवल गेम नहीं खेल रही हैं, बल्कि मनोरंजन, कंटेंट निर्माण और संस्कृति को प्रभावित भी कर रही हैं।' हालांकि स्ट्रीमिंग ने नए अवसर खोले हैं, इस प्रतिस्पर्धी गेमिंग में महिलाओं को अभी भी झेलनी पड़ रही प्रणालीगत असमानताओं की याद दिलाती है। वैश्विक स्तर पर, इस उद्योग के शीर्ष स्थानों पर अभी भी पुरुषों का वर्चस्व है। 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के शीर्ष 400 ई-स्पोर्ट्स खिलाड़ियों में से एक भी महिला नहीं है। यहां तक कि अमेरिका में भी, महिला खिलाड़ी हर 100 डॉलर की कमाई पर केवल 3.42 डॉलर ही कमाती हैं। हर्षलीन कौर, उर्फ कायरा बचपन से गेमिंग कर रही हैं। 2022 में कायरा ने गेमिंग और स्ट्रीमिंग पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी ग्राफिक डिजाइन की नौकरी छोड़ दी थी। लेकिन टूर्नामेंट्स और कमाई के अवसरों की कमी के कारण उन्हें यह सपना छोड़ना पड़ा। 2024 में उन्होंने अपनी नौकरी फिर से शुरू की और अब वह वीकेंड्स पर स्ट्रीम करती हैं। उनके यूट्यूब चैनल पर, जहां 11 हजार से अधिक सब्सक्राइबर्स हैं, उनके वीडियो में अक्सर उन्हें साथी खिलाड़ियों के साथ रणनीतियां समझाते हुए और कभी-कभी मैच के बीच में गाना गाते हुए देखा जा सकता है। 'महिला गेमर्स को ट्रोल या परेशान करना सिर्फ भारत में नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर होता है,' सहगल ने कहा। 'हालांकि, अब अधिक महिला स्ट्रीमर्स एक-दूसरे का समर्थन करने, अपनी कम्युनिटी बनाने और गेमिंग की दुनिया में अपनी जगह बनाने के लिए एक साथ आगे आ रही हैं।' शार्प रिफ्लेक्सेस या हाई स्कोर से ज्यादा, स्ट्रीमिंग की सफलता व्यक्तित्व, संबंध बनाने की क्षमता, ग्लैमर, और ब्रांड पार्टनरशिप हासिल करने पर निर्भर करती है।

शगुफ्ता इकबाल, जिन्हें ज़िया के नाम से जाना जाता है, भारत की प्रमुख स्ट्रीमर्स में से एक हैं। यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर, वह एपेक्स लीजेंड्स जैसे फ़र्स्ट-पर्सन शूटर गेम्स और डार्क सोल्स और एल्डन रिंग जैसे स्टोरी-ड्रिवन रोल-प्लेइंग गेम्स में अपने कुशल गेमप्ले के लिए प्रसिद्ध हैं। लेकिन जो चीज़ उन्हें खास बनाती है, वह है उनके दर्शकों के साथ गर्मजोशी और बेबाक बातचीत। 30 साल की पुणे की यह गेमर ऑनलाइन ट्रोल्स को करारा जवाब देने में भी माहिर हैं। ग्लोबल ईस्पोर्ट्स के को-फाउंडर मोहित इसरानी कहते हैं, 'कंटेंट क्रिएशन विशेष रूप से एक ऐसा क्षेत्र है जहां महिलाएं तेजी से अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं। कंपनियां इसे नोटिस कर रही हैं और महिला गेमर्स को शामिल करने के लिए कदम उठा रही हैं-ऑल-वुमेन ईस्पोर्ट्स रोस्टर से लेकर ब्रांड पार्टनरशिप तक, और खुद गेम्स में अधिक समावेशिता तक।' सलोनी पवार अपनी गेमिंग अवतार मियाऊ16के और व्यक्तिगत जीवन को ऑनलाइन सहजता से संतुलित करती हैं। यूट्यूब पर, जहां उनके 60 हजार से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं, वह अक्सर वर्चुअल मुकाबले में व्यस्त रहती हैं। गेमिंग कौशल और प्रेरणादायक कंटेंट का यह मिश्रण अब कई महिला स्ट्रीमर्स के लिए एक विशेष पहचान बन चुका है। ब्रांड कोलैबोरेशंस अब एक नियमित हिस्सा बन गए हैं। हालांकि महिला गेमर्स की संख्या बढ़ रही है, फिर भी अक्सर उन्हें उनके खेल कौशल से ज्यादा उनके दिखने के आधार पर आंका जाता है। दर्शक अक्सर महिलाओं की स्ट्रीम्स को सिर्फ मनोरंजन के रूप में देखते हैं।

अगर स्ट्रीमिंग में लिंगभेद बढ़ रहा है, तो यह प्रतिस्पर्धी गेमिंग में और भी ज्यादा गहरा है। हालांकि भारत की ईस्पोर्ट्स इंडस्ट्री 2024 में 3.8 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय गेमिंग टैलेंट की संभावनाओं का समर्थन किया, फिर भी महिलाओं को पीछे छोड़ दिया जा रहा है।

आगामी ओलंपिक ईस्पोर्ट्स गेम्स और वेफ्स ईस्पोर्ट्स चैंपियनशिप, जो सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा समर्थित है, इस साल के लिए गेमर्स के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। लेकिन इसी समय, भारतीय महिला गेमर्स कुछ सीमित अवसर भी खो रही हैं, जो पहले उनके पास थे।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

मध्यप्रदेश में हर गरीब को पक्का मकान का संकल्प होगा पूरा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हर एक खेत को मिलेगा सिंचाई के लिए पानी

- हमारी सरकार का ध्येय है विकास, विकास और विकास
- वृहद राजधानी परियोजना के लिए बनाया जाएगा मास्टर प्लान
- विदिशा नगर पालिका बनेगी नगर निगम, मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल होंगे एक
- मुख्यमंत्री ने विदिशा में 177 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमि पूजन एवं लोकार्पण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि हर गरीब को पक्का मकान मिले। पूरे देश में अभी तक 4 करोड़ गरीबों को पक्के मकान दिलवाए जा चुके हैं। मध्यप्रदेश में पुराने सर्वे के अनुसार 16 लाख हितग्राहियों को पक्के मकान उपलब्ध कराने हैं, आज मध्यप्रदेश को 8.5 लाख नए आवास मिले हैं। इसके बाद पुनः सर्वे कराया जाएगा, कोई भी गरीब पक्के मकान के बिना नहीं रहेगा। मध्यप्रदेश में 'हर गरीब को पक्का मकान' उपलब्ध कराने का संकल्प पूरा होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को विदिशा में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत नवीन लक्ष्य का आवंटन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को सांकेतिक रूप से गृह प्रवेश कराया और लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने क्षेत्र के लिए 177 करोड़ 53 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इस अवसर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और विदिशा जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल उपस्थित थे।

सभी का कल्याण हमारा लक्ष्य है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में दो बड़ी नदी जोड़ो परियोजनाओं केन–बेतवा और पार्वती– कालीसिंध–चंबल (पीकेसी) तथा अन्य सिंचाई परियोजनाओं से सिंचाई के रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष–2003 में जो 7 लाख हेक्टेयर ही था, अब बढ़कर 48 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गया है। हर एक खेत को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। उन्होंने किसानों से कहा कि कुछ समय बाद हम कृषि उत्पादन में पंजाब और हरियाणा को भी पीछे छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी समय में विदिशा क्षेत्र का तेजी से विकास होगा। भोपाल, विदिशा, रायसेन और सीहोर को मिलाकर वृहद राजधानी परियोजना बनाई जा रही है। इसके लिए मास्टर प्लान शीघ्र ही तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न घोषणाएं की।

- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में हुए महत्वपूर्ण निर्णय

हर जिले में बनेगा पुलिस बैंड, 932 पद सृजित

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। प्रदेश को वर्ष 2028 तक गरीबी मुक्त बनाने का महत्वाकांक्षी निर्णायक कदम उठाते हुए मंत्रि-परिषद ने 'गरीब कल्याण मिशन' के क्रियान्वयन की स्वीकृति दी। मिशन का उद्देश्य राज्य के गरीब और वंचित वर्गों का आर्थिक उत्थान करते हुये उनकी आय को न्यूनतम आय के स्तर तक लाना है। गरीब कल्याण मिशन संयुक्त रूप से पंचायत एवं ग्रामीण विकास और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा अन्य विभागों के सहयोग से क्रियान्वित किया जायेगा।

गरीब कल्याण मिशन मुख्यतः तीन घटकों यथा बहु-आयामी गरीबी इण्डेक्स में सुधार, आजीविका सुदृढ़ीकरण और विद्यमान संगठनों के सशक्तिकरण पर केन्द्रित है। बहु आयामी गरीबी इण्डेक्स के मुख्य बिन्दु महिलाओं और बच्चों का पोषण सुनिश्चित करना, शिशु मृत्यु दर कम करना, गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य सुनिश्चित करना, माध्यमिक शिक्षा सुनिश्चित करना, माध्यमिक कक्षा तक के छात्रों की स्कूल में उपस्थिति, भोजन पकाने के लिए समुचित ईंधन उपलब्धता, स्वच्छता, पेयजल उपलब्धता, विद्युत कनेक्शन, आवास निर्माण, परिवारों के पास संसाधन उपलब्धता, बैंक खाता की उपलब्धता के साथ वित्तीय समावेश में सुधार किया जायेगा।

इन मुद्दों पर भी हुआ निर्णय

- दिवंगत कार्यवाहक प्रधान आरक्षक राकेश कुमार ठाकुर के परिजनों को 90 लाख रुपये की विशेष अनुग्रह राशि देने का निर्णय लिया गया।
- नए जिलों पांढुर्णा, मऊगंज और मैहर में विभागीय कार्यालयों की स्थापना और नए पदों को मंजूरी दी गई।
- ग्वालियर की तर्ज पर उज्जैन में लगने वाले व्यापार मेले से वाहन खरीदी पर रोड टैक्स में 50 प्रतिशत छूट देने का निर्णय लिया गया।
- गुजरात के बलसाड़ में पदस्थ चिकित्सक डॉ. आशा देशमुख की विदिशा जिला चिकित्सालय में प्रतिनियुक्ति को ध्यान में रखते हुए उनके राज्य में संविलयन का निर्णय लिया गया।

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

जिधर जाते हैं सब जाना
उधर अच्छा नहीं लगता
मुझे पामाल रस्तों का
सफ़र अच्छा नहीं लगता
ग़लत बातों को ख़ामोशी से
सुनना हामी भर लेना
बहुत हैं फ़ाएदे इस में मगर
अच्छा नहीं लगता
मुझे दुश्मन से भी ख़ुद्दारी की
उम्मीद रहती है
किसी का भी हो सर क़दमों
में सर अच्छा नहीं लगता
बुलंदी पर उन्हें मिट्टी की
ख़ुश्बू तक नहीं आती
ये वो शाख़ें हैं जिन को अब
शजर अच्छा नहीं लगता
ये क्यूँ बाक़ी रहे आतिश–ज़नो
ये भी जला डालो
कि सब बे–घर हों और मेरा हो
घर अच्छा नहीं लगता।

- जावेद अख्तर

शहडोल समिटः बूंद बूंद से घट भरने की मोहिनी पहल

(विनोद तिवारी)

(म.प्र.संपादक, सुबह सवेरे)

बूंद बूंद से घट भरने की कहावत तो हम सबने सुनी ही है। और इस कहावत को मध्य प्रदेश की डॉ मोहन यादव सरकार चरितार्थ करती दिख रही है। हालांकि ये इस समय मध्य प्रदेश सरकार की जरूरत भी है कि राज्य की माली हालत को कैसा सुधार जाए? प्रदेश में बढ़ते हुए सरकारी खर्च और चुनाव के वक्त की गई घोषणाओं को पूरा करने के लिए भारी भरकम राशि की जरूरत है और सरकार के खजाने की हालत उतनी मजबूत नहीं है। एक तरह से राज्य के मुखिया के लिए यह एक बड़ी चुनौती है। यहां यह कहना होगा कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने इस चुनौती को न सिर्फ स्वीकार किया, बल्कि उस दिशा में तेजी कम शुरू कर दिया, जिससे कि मध्यप्रदेश एक मजबूत वित्तीय आधार वाला आत्मनिर्भर राज्य बन सके।

राज्य की माली हालत को ठीक करने के तरीकों में जो सबसे नायब तरीका मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने निकाला, वह है छोटे छोटे निवेशक पकड़ो और परियोजनाओं को समय सीमा में धरातल पर उतारो। पिछले एक साल में जिस प्रकार राज्य सरकार ने संभागीय स्तर पर औद्योगिक समिट आयोजित कीं और औद्योगिक घरानों को आकर्षित किया। इस क्रम में राज्य सरकार को काफी हद तक सफलता भी मिल रही हैं। इस दौरान संभाग स्तर पर हुई औद्योगिक समिट- इनमें उज्जैन में एक लाख करोड़ रुपए, जबलपुर में 13375 करोड़ रुपए, सागर में 23181 हजार करोड़ रुपए, ग्वालियर में 8000 करोड़ रुपए, नर्मदापुरम में 31800 करोड़ रुपए और रीवा में 30814 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले। इन क्षेत्रीय औद्योगिक समिट के दौरान ही कई निवेशकों ने तो अपनी परियोजनाओं के भूमि पूजन भी कर दिए। अब शहडोल में हो रही समिट के अवसर पर भी कई योजनाओं के भूमि पूजन और कई प्रोजेक्ट के उद्घाटन भी होंगे। राज्य सरकार के इन सम्मेलनों की खास विशेषता ये कि इनमें जो भी निवेशक आ रहे हैं उनकी सारी आवश्यक औपचारिकताएं मौके पर ही पूरी की जा रही हैं। प्रदेश में संभवतः यह पहली बार हो रहा है जब समिट से पहले ही सरकार के पास निवेश के प्रस्ताव आ रहे हैं व सरकार भी मुस्तैदी से उन प्रस्तावों को सभी जरूरी क्लियरेंस भी तत्काल दे रही है। हालांकि क्षेत्रीय स्तर पर हुई औद्योगिक समिट में हमें निवेश की बहुत बड़ी राशि नहीं दिखी, पर जो माहौल बना है उससे निवेशकों का विश्वास और उत्साह दोनों ही बढ़े हैं। फिर भी धीरे-धीरे ही सही सरकार को पिछले एक साल में लगभग 3.85 लाख करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। इसमें मुख्यमंत्री की विदेश यात्रा के दौरान 78 हजार करोड़ रुपए के प्रस्ताव भी शामिल हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुंबई, बेंगलुरु, कोयंबतूर और कोलकाता के रोड शो में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव के आंकड़े भी शामिल हैं। यहां गौरतलब है कि अगर हम अलग अलग समिट के निवेश प्रस्तावों को देखें तो लगता है कि बहुत छोटे निवेश आ रहे हैं, लेकिन जब हम साल भर में हुए निवेश प्रस्तावों की गणना करते हैं तो यह आंकड़ा चार लाख करोड़ के नजदीक पहुंच जाता है। शहडोल के सम्मेलन के बाद तो ये चार लाख करोड़ से भी ऊपर पहुंच जाएगा। ऐसे में यह कहना होगा कि डॉ.मोहन यादव ने निवेश लाने का जो तरीका अपनाया, वह कारगर रहा। यहां एक बात और है कि करीब एक लाख करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट के भूमि पूजन भी हो गए हैं। सरकार के ये प्रयास आने वाले दिनों में प्रदेश की मजबूत आर्थिक स्थिति के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

यहां यह कहना समीचीन होगा कि पूर्व की सरकारों ने राज्य में निवेश के लिए बड़े बड़े सम्मेलन किए, लेकिन उनका फोकस बड़े बड़े निवेश प्रस्तावों को लाने तक ही सीमित रहा, हालात यह रहे के धरातल पर ये निवेश प्रस्ताव कभी जगह नहीं बना पाए। लेकिन मोहन सरकार ने निवेश की जो नीति अपनाई है वह बेहद कारगर साबित हो रही हैं।

प्रदेश में पहले क्षेत्रीय संभावनाओं के आधार पर औद्योगिक सम्मेलन बुलाकर निवेश का माहौल बनाना, फिर विदेशों में जाकर निवेशकों की नब्ज टटोलना । तब पूरी पड़ताल के बाद फरवरी 2025 में भोपाल में ग्लोबल समिट का आयोजन करना बड़ी ही सूझबूझ और निवेश सोची समझी रणनीति है। इतना ही नहीं राज्य सरकार पर्यटन और खनिज के क्षेत्र में भी बड़ी संभावनाएं तलाश रही हैं ताकि सरकार की लाडली लक्ष्मी जैसी कल्याणकारी योजनाओं के लिए भविष्य में फंड की कोई कमी न आए। सरकार छोटे उपयोगकर्ताओं, किसानों को बिजली की सब्सिडी भी देती रहे और प्रदेश का विकास निर्वाध रूप से चलता रहे।

भारतीय महिला टीम को मिली अब तक की सबसे बड़ी जीत

- बल्लेबाजों के तूफान के बाद गेंदबाजों ने बिखेरी चमक

राजकोट (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आयरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मैच में इतिहास रच दिया है। स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारत को 304 रनों से जीत मिली। वनडे इतिहास में यह टीम इंडिया की सबसे बड़ी जीत है। पहले बैटिंग करते हुए भारतीय महिला टीम ने 5 विकेट पर 435 रन बनाए। यह वनडे क्रिकेट में भारत की टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। इसके बाद आयरलैंड की पारी को गेंदबाजों ने सिर्फ131 रनों पर समेट दिया। भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज को 3-0 से क्लीव स्वीप कर लिया। सीरीज को पहले ही अपने नाम कर चुकी भारतीय टीम ने इस मैच में टॉस जीकर बल्लेबाजी का फैसला किया। पहले ही विकेट के लिए स्मृति मंधाना और युवा ओपनर प्रतिका रावल ने 26.4 ओवर में 233 रन जोड़ दिए। इस दौरान स्मृति ने 70 गेंदों पर सेंचुरी पूरी की। यह महिला वनडे में भारत की तरफ से सबसे तेज सेंचुरी का रिकॉर्ड भी है। वह 80 गेंदों पर 12 चौके और 7 छक्कों की मदद से 135 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद प्रतिका ने भी अपना शतक पूरा किया।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c | न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 16 जनवरी 2025

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
>
> चाणक्य नीति

केजरीवाल पर शराब घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग का चलेगा केस

चुनाव से 20 दिन पहले फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को एएपी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस चलाने की मंजूरी दे दी है। दिल्ली के एलजी विनय सक्सेना भी केजरीवाल पर केस चलाने की इजाजत दे चुके हैं। ईडी को यह मंजूरी इसलिए लेनी पड़ी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सरकारी कर्मचारियों पर मुकदमा

चलाने के लिए ऐसा करना होगा। ईडी ने पिछले साल कोर्ट में केजरीवाल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें शराब नीति घोटाले में केजरीवाल को आरोपी बनाया था। ईडी को यह मंजूरी ऐसे समय मिली है, जब दिल्ली में 5 फरवरी को विधानसभा चुनाव होने हैं। रिजल्ट 8 फरवरी को आएगा। दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने 11 जनवरी को ईडी को शराब नीति मामले में केजरीवाल के खिलाफ केस चलाने की इजाजत दे दी। ईडी ने 5 दिसंबर को एलजी से केजरीवाल के खिलाफ ट्रायल चलाने की अनुमति मांगी थी। एएपी प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा- देश के इतिहास में यह पहला ऐसा मामला होगा, जिसमें केजरीवाल और सिसोदिया जेल गए।

ऊंचाई की ओर धकेलना अल्लाह का करम, परमेश्वर की कृपा : सत्तन

• मुशायरा व सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन

इंदौर। शहर में एक माह बाद ही फिर बड़ा मुशायरा व कवि सम्मेलन होने जा रहा है। इसमें वरिष्ठ कवि सत्यनारायण सत्तन 'गुरुजी' का सम्मान भी होगा। एक फ़रवरी को होने वाले इस कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन बुधवार को समारोहपूर्वक हुआ, जिसमें युवा वर्ग भी बड़ी तादाद में मौजूद रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विशेषकर बड़े मुशायरों, कवि सम्मेलनों को उत्सव का रूप दे देने वाले शहर इंदौर में पोस्टर का विमोचन भी समारोहपूर्वक हुआ।

रेनेसां कॉलेज में आयोजित विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए सत्तन ने कहा कि भाजपा वाले का विश्वास, उसका सम्मान अगर अम्मार (अंसारी) करता है तो कहीं-न-कहीं अल्लाह का करम बरस रहा है। ऊंचाई की ओर धकेल देना अल्लाह का करम, परमेश्वर की कृपा है। वह हम सभी के दिल में बिराजमान है, उसे किसी भी भाषा में पुकार लो। मिली-जुली फ़ारसी व उर्दू में बंधे हम्द (ईश स्तुति) के अशआर धाराप्रवाह पढ़ते हुए उन्होंने देश में बहती समरसता की दीर्घ परंपरा की ओर इशारा किया कि हमने एक-दूसरे को आत्मसात् कर लिया है। जो मैं हूं, वह तू है और जो तू है, वह मैं हूं।

अल्लाह, ईश्वर, परमेश्वर का उल्लेख करते हुए आख़िरी में उन्होंने यह शे'र पढ़ा- हम तो तोहमत हैं अल्लाह तेरी बज़्म में एक तेरी ज़ात है, एक तेरा नूर है। रेनेसां कॉलेज के चेयरमैन स्वप्निल कोठारी ने सारगर्भित उद्बोधन में सत्तन गुरु को प्रेरणास्रोत बताते हुए युवा वर्ग को अध्ययन के लिए प्रेरित किया। उनके मुताबिक़ बुद्धि मनुष्य में कुटिलता लाने लगती है, लेकिन सत्तन गुरु जैसे व्यक्ति अपनी निश्छल व रचनात्मक प्रकृति से सहज, सरल व निष्कपट बने रहते हैं। इनकी मौलिकता व रचनात्मकता की बदौलत पूरे देश में इनका मान-सम्मान है। आप भी पढ़िए और अच्छाई से नाता बनाइए। कार्यक्रम में उर्दू के विद्वान अज़ीज़ इरफ़ान, भाजपा नेता गोपीकृष्ण नेमा, स्टेट प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, मुशायरे के संयोजक अम्मार अंसारी, कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के सुबूर ग़ौरी, मज़हर बंदूक़वाला, शायरों में अहमद निसार, इमरान यूसुफ़ज़ई व तजदीद साक़ी सहित युवा श्रोता की ख़ासी तादाद मौजूद थी। संचालन ज़ाहिद ख़ान ने किया। वहीं अहमद निसार व रेनेसां कॉलेज के विद्यार्थियों ने अपने शे'र भी सुनाए।

जुकरबर्ग ने की गलती तो मेटा के अफसर ने मांगी माफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग ने एक पॉडकास्ट में दावा किया कि दुनियाभर में सत्ताधारी दलों को चुनावों में हार मिली है। उन्होंने इस फेहरिश्त में भारत का नाम भी गिना दिया। केंद्रीय सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसका फैक्ट चेक कर दिया और कहा कि भारत के संदर्भ में जुकरबर्ग का दावा तथ्यात्मक रूप से गलत है। उन्होंने दोटूक शब्दों में कहा कि जकरबर्ग का यह बयान बहुत निराशाजनक है। वैष्णव के इस कड़े विरोध पर मेटा की ओर से सफाई दी गई है। फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा की भारतीय शाखा में पब्लिक

पॉलिसी के वाइस प्रेसिडेंट शिवनाथ ठुकराल ने केंद्रीय मंत्री के पोस्ट का जवाब दिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, प्रिय माननीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, मार्क (जुकरबर्ग) का यह अवलोकन कि 2024 के चुनावों में कई मौजूदा दलों की सत्ता में वापसी नहीं हुई, कई देशों के लिए सही है, लेकिन भारत के लिए नहीं। हम अनजाने में हुई इस गलती के लिए माफी चाहते हैं। भारत मेटा के लिए बेहद महत्वपूर्ण देश है और हम इसके शानदार भविष्य की धुरी होने की आशा करते हैं।

भारत मैरिटाइम पावर बन रहा है, यह इसकी झलक

● मोदी बोले-देश को 3 नए युद्धपोत मिले, तीनों मेड इन इंडिया ● पहली बार डिस्ट्रॉयर, फ्रिगेट और सबमरीन एक साथ हुए कमीशंड

मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन वॉरशिप आईएनएस सूरत (डिस्ट्रॉयर), आईएनएस नीलगिरि (स्टेल्थ फ्रिगेट) और आईएनएस वाघशीर (सबमरीन) को राष्ट्र को समर्पित किए। इन तीनों अल्ट्रा-मॉर्डन वॉर शिप से नेवी की ताकत और बढ़ जाएगी। मोदी ने कहा 15 जनवरी को आर्मी डे के रूप में भी मनाया जाता है। आज भारत की समुद्री विरासत नेवी के गौरवशाली इतिहास और आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए भी बहुत बड़ा दिन है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने नौसेना को नया सामर्थ्य दिया था, नया विजन दिया था। आज उनकी इस पावन धरती पर 21वीं सदी की नेवी को सशक्त करने की तरफ हम एक बहुत बड़ा कदम उठा रहे हैं। यह पहली बार हो रहा है, जब एक डिस्ट्रॉयर, फ्रिगेट और सबमरीन को एक साथ कमीशन किया जा रहा है। ये तीनों

मेड इन इंडिया हैं। आज जो प्लेटफॉर्म लॉन्च हुए हैं, उनमें भी इसकी झलक है। नीलगिरी चोल वंश के सामुद्रिक सामर्थ्य के प्रति समर्पित है। सूरत वॉर शिप उस वक्त की याद दिलाता है, जब गुजरात को पोर्ट के जरिए वेस्ट एशिया से जुड़ा था। आज बाघशीर सबमरीन की भी कमीशनिंग हो रही है। कुछ साल पहले पी-75 क्लास के पहली सबमरीन की कमीशनिंग का मौका मिला था।

● **हम पूरे विश्व को परिवार मानकर चलते हैं** - भारत विस्तारवाद नहीं, विकासवाद की भावना से काम करता है। ओपन, सिक्योर, इन्क्लूजिव इंडो पैसेफिक रीजन का समर्थन किया है। जब समुद्र से सटे देशों के विकास की बात आई तो भारत ने मंत्र दिया सागर- सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन। जी-20 में कहा कि वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर। कोरोना के वक्त वन वर्ल्ड, वन हेल्थ कहा। हम पूरे विश्व को परिवार मानकर चलते हैं। बीते कुछ महीनों में हमारी नौसेना ने सैकड़ों जानें बचाईं। हजारों करोड़ रुपए के नेशनल और इंटरनेशनल कार्गो की सुरक्षा की है। दुनिया का भारत पर भरोसा बढ़ा है।

● **मेक इन इंडिया के मंत्र से काम कर रहे-** कर्नाटक में देश की सबसे बड़ी हेलीकॉप्टर बनाने वाली फैक्ट्री शुरू हुई। यूपी-तमिलनाडु में बन रहे डिफेंस कॉरिडोर को और गति मिलेगी। नेवी ने भी मेक इन इंडिया अभियान का विस्तार किया है। मझगांव डॉक यार्ड के आप साथियों की भूमिका है। 10 साल में नेवी में 33 शिप्स और 7 सबमरीन को शामिल किया गया। इनमें से 39 भारतीय शिपयार्ड में ही बने हैं।

अमेरिका में तबाही लाने वाली आग को लेकर नया खतरा

जारी हुआ रेड अलर्ट, 88000 लोगों को घर छोड़ने के आदेश

वॉशिंगटन (एजेंसी)। लॉस एंजिल्स में जंगल की आग को बुझाने के लिए अग्निशमन कर्मी रात भर काम करते रहे, लेकिन अभी भी उस पर काबू नहीं पाया जा सका है। बुधवार को इसके और विकराल होने की आशंका जताई जा रही है। मौसम विभाग ने तेज हवाओं के कारण रेड फ्लैग चेतावनी जारी की है। यूएस नेशनल वेदर सर्विस (एनडब्ल्यूएस) ने

मंगलवार को कहा कि लॉस एंजिल्स काउंटी में जंगल की आग वाले क्षेत्रों सहित तटीय दक्षिणी कैलिफोर्निया के लिए खतरनाक मौसम की चेतावनी जारी की गई है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया, एनडब्ल्यूएस के अनुसार जारी की गई मौसम की चेतावनी का असर मंगलवार को भी नजर आया। वहीं तेज सांता एना हवाएं लॉस एंजिल्स और वेंचुरा काउंटी के क्षेत्रों में बुधवार दोपहर तक जारी रहेंगी। लॉस एंजिल्स क्षेत्र में भीषण जंगल की आग ने कम से कम 25 लोगों की जान ली है, 12,300 से अधिक इमारतें नष्ट हो गईं। वहीं इस आग से 40,600 एकड़ से अधिक क्षेत्र को नुकसान पहुंचाया है। वहीं पैलिसेड्स के जंगल में लगी आग पर 17 प्रतिशत और ईटन की आग पर 34 प्रतिशत तक काबू पा लिया गया है।

इंतजार खत्म! खुल चुकी है माता वैष्णो देवी की गुफा

● दर्शन करने हैं तो पहुंच जाएं जल्दी, मौका है अभी!

कटरा (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जाने के लिए हर साल हजारों-लाखों में भीड़ दर्शन करने आती है। भक्तों को फर्क नहीं पड़ता कि किस महीने कितनी गर्मी पड़ रही है और किस महीने कितनी ठंड। जब माता का बुलावा आ जाए, तब भक्त जय कारा लगाते हुए निकल पड़ते हैं और जो श्रद्धालु पुरानी गुफा के समय वैष्णो देवी पहुंचते हैं, उनके लिए किसी किस्मत से कम नहीं होती यात्रा। शायद इस बार के दर्शन भी किस्मत वाले बन सकते हैं।

जी हां, माता वैष्णो देवी की प्राकृतिक गुफा यानी पुरानी गुफा को फिर से खोल दिया गया है। मंगलवार मकर संक्रांति के दिन गुफा को फिर से खोल दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि खास पूजा-पाठ के बाद पुरानी गुफा को एक बार फिर से श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है। मंदिर के गर्भगृह के अंदर मौजूद प्राकृतिक गुफा को आमतौर पर सर्दी के महीने में ही खोल दिया जाता है, इस दौरान भक्तों की भीड़ कम रहती है। कई भक्त प्राकृतिक गुफा के जरिए मंदिर में दर्शन करने के लिए उत्सुक रहते हैं और ये नजारा इसी दौरान देखने को मिलता है। ये गुफा सुरक्षा कारणों से साल में अधिकतर समय बंद रहती है। बता दें, बहुत ही कम लोगों को प्राचीन गुफा के जरिए माता के दरबार जाने का सौभाग्य मिलता है। 10 हजार से कम श्रद्धालु होने पर इस प्राचीन गुफा के द्वार खोले जाते हैं। आमतौर पर ऐसा दिसंबर और जनवरी और फरवरी के महीने में देखा जाता है। कभी-कभी गुफा मार्च के महीने भी होली से पहले तक भी खोल दी जाती है।

यूपी में भीषण कोहरा मुजफ्फरनगर में 20 वाहन टकराए

4 हादसों में एक की मौत, 20 घायल, लखनऊ में बूंदाबांदी, 17 जिलों में अलर्ट

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी में फिर से मौसम ने करवट ली है। लखनऊ में सुबह बूंदाबांदी हुई। आज 17 जिलों में बारिश का अलर्ट है। तेज हवाओं के साथ ओले भी गिर सकते हैं। सुबह से 45 जिलों में घना कोहरा छाया है। अयोध्या में विजिबिलिटी 50 मीटर तक रह गई है। कोहरे के चलते प्रदेश में अलग-अलग 4 हादसों में एक युवक की मौत हो गई।

20 लोग घायल हो गए। मुजफ्फरनगर में दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे पर एक के बाद एक 20 वाहन टकरा गए। वहीं, नोएडा में महामाया फ्लाईओवर के पास दो वॉल्वो बसों में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। सहारनपुर में अलग-अलग जगह दो हादसे हुए दिल्ली से आ रही रोडवेज बस पलट गई। वहीं दूसरे हादसे में बाइक और टैम्पो की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। कोहरे से सऊदी अरब के दम्माम से लखनऊ आने वाली फ्लाइट कैंसिल हो गई। इसके अलावा, 2 फ्लाइटें लखनऊ एयरपोर्ट पर देरी से आईं। यहां से 3 फ्लाइटें भी लेट रवाना हुईं। बरेली मंडल आने वाली 22 ट्रेनें 6-8 घंटे तक लेट आईं। बेंगलुरु से बरेली आने वाली फ्लाइट भी रद्द हो गई। मंगलवार को मेरठ सबसे ठंडा रहा। यहां का तापमान 7.5 डिग्री दर्ज किया गया।

भागवत का बयान देशद्रोह

कहीं और बोलते तो गिरफ्तार होते: राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार

राहुल गांधी ने आरएसएस चीफ को सच्ची आजादी वाले बयान पर घेरा

भागवत ने कहा था- सच्ची आजादी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से मिली

को कहा- मोहन भागवत कह रहे हैं कि 1947 में भारत को

सच्ची आजादी नहीं मिली थी। मोहन भागवत का यह बयान हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के साथ-साथ हर एक भारतीय नागरिक का अपमान है। भागवत का कमेंट हमारे संविधान पर हमला है। राहुल ने कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में कहा- भागवत हर दो-तीन दिन में अपने बयानों से देश को यह बताते रहते हैं कि वह स्वतंत्रता आंदोलन और संविधान के बारे में क्या सोचते हैं। उन्होंने हाल ही में जो कहा वह देशद्रोह है, क्योंकि उनके बयान का मतलब है कि संविधान का कोई औचित्य नहीं है।

सोनिया ने नए कांग्रेस मुख्यालय का किया इनॉगरेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी भवन 9ए, कोटला रोड, नई दिल्ली यह कांग्रेस पार्टी का नया पता है। सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के अन्य नेताओं के साथ बुधवार को इसका उद्घाटन किया। करीब 46 साल बाद पार्टी ने अपना पता बदला है। इससे पहले पुराना ऑफिस 24, अकबर रोड था। नए ऑफिस की आधारशिला 2009 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी ने रखी थी। यह भाजपा मुख्यालय से 500 मीटर दूर है। इसे बनने में 252 करोड़ रुपए लगे। भाजपा दफ्तर डेढ़ साल में बना था। कांग्रेस नेता कमलनाथ ने 2019 में कहा था- भाजपा मुख्यालय 700 करोड़ में बना है। भाजपा देशभर में 768 ऑफिस बना रही है। इनमें से 563 ऑफिस बनकर तैयार हैं, जबकि 96 पर काम चल रहा है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पिछले साल अगस्त में इसकी जानकारी दी थी। जब यही सवाल हमने कांग्रेस के मीडिया कोऑर्डिनेटर अमरीश रंजन से की तो उन्होंने बताया- दिल्ली के अलावा, हर राज्य और जिले में पार्टी दफ्तर हैं।

मां नहीं तो उनकी फोटो ही सही!

● बेटे ने मां की तस्वीर के साथ संगम में लगाई डुबकी

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ मेला 13 जनवरी से शुरू हो चुका है और हर दिन करोड़ों लोगों आस्था के संगम में डुबकी लगा रहे हैं। महाकुंभ मेले की कई तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर हर दिन वायरल हो रहे हैं लेकिन एक बुजुर्ग शख्स ने प्रयागराज पहुंच कर कुछ ऐसा किया कि लोग भी इमोशनल हो गए। दरअसल उनकी मां का निधन हो गया था। ऐसे में वो अपनी मां की तस्वीर के साथ महाकुंभ मेले में पहुंचे। उन्होंने हाथों में अपनी मां की फोटो को लेकर संगम में डुबकी लगाई। हजारों श्रद्धालु गंगा किनारे इन दिनों पहुंचे हुए हैं और सूर्य की पहली किरण के साथ गंगा नदी में डुबकी लगा रहे हैं। इसे महास्नान भी कहा जाता है। ये महाकुंभ मेले का सबसे महत्वपूर्ण नियम है। साधु-संतों के महास्नान की भी कई तस्वीरें और वीडियोज हर तरफ छाए हुए हैं। लेकिन इस बुजुर्ग शख्स ने लोगों को इमोशनल कर दिया है। तस्वीर में आप देखेंगे कि वो संगम में मां की तस्वीर को लेकर खड़े हैं।

राहुल गांधी की बारात सजने से पहले मुंह फुलाए 'अगुवा'

● बिहार महागठबंधन में सब कुछ ठीक होने पर उठ रहे सवाल ● 18 को राहुल और लालू का पटना में अलग-अलग कार्यक्रम

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव की डुगडुगी बजने में अब कुछ ही महीने का वक्त बचा है, ऐसे में यहां राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। एनडीए खेमे में जहा मुख्यमंत्री नीतिश कुमार को लेकर अटकलों का बाजार गरम है तो इंडिया ब्लॉक या महागठबंधन के दो बड़े सहयोगी आरजेडी और कांग्रेस के बीच सब कुछ ठीक नहीं होने की बात उड़ रही है। पिछले साल 10 दिसंबर को लालू प्रसाद यादव से पूछा गया- क्या इंडिया गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी को दे दिया जाए। इस पर लालू यादव ने कहा कि हां दे दिया जाए। लालू यादव का यह बयान इसलिए खास है क्योंकि इस वक्त राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। इसके अलावा 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पटना में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में लालू प्रसाद यादव ने राहुल गांधी की तरफ इशारा करते हुए कहा था कि आप दूल्हा बनिए हम सब आपके बाराती बनेंगे। अब लोकसभा चुनाव के बाद लालू यादव जैसे सीनियर राजनेता ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन की बागडोर सौंपने की बात कह रहे हैं। लालू यादव के अलावा तेजस्वी यादव ने भी इंडिया गठबंधन पर बड़ा बयान दे चुके हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव ने आम आदमी पार्टी को सपोर्ट करने की बात कह चुके हैं।

नगरीय विकास एवं आवास, संसदीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंत्रालय में कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में विभागीय समीक्षा

योग्य अभ्यर्थियों को समय पर मिले प्रवेश

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने नर्सिंग प्रवेश परीक्षा में 12वीं में हिंदी विषय न पढ़ने वाले अभ्यर्थियों के चयन में आई विसंगतियों का संज्ञान लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि इंडियन नर्सिंग काउंसिल के मानकों के अनुरूप आवश्यक प्रावधान कर इस समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि योग्य अभ्यर्थियों को समय पर प्रवेश मिल सके। उन्होंने फार्मेसी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बनाने के लिए फार्मेसी काउंसिल के नियमों में आवश्यक सुधार करने के निर्देश भी दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में विभागीय विषयों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन आयोग और लोक सेवा आयोग के माध्यम से चल रही विभागीय भर्ती प्रक्रियाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कैबिनेट स्वीकृत पदों की भर्ती की कार्यवाही निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। साथ ही कैबिनेट अनुमोदन के लिए मेडिकल कॉलेजों में पे-प्रोटेक्शन का प्रावधान, तीन नवीन जिला चिकित्सालयों में पदों की स्वीकृति के प्रस्ताव की औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण करने के लिये कहा। राज्य मंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, प्रमुख सचिव श्री संदीप यादव, आयुक्त स्वास्थ्य श्री तरुण राठी, रजिस्ट्रार मध्यप्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल श्री के.के. रावत सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

म.प्र.में कर्मचारियों का बड़ा आंदोलन आज से

- 32 संगठनों के कर्मचारी करेंगे प्रदर्शन

पुरानी पेंशन और पदोन्नति समेत 48 मांगें

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में कर्मचारी संगठनों का बड़ा आंदोलन गुरुवार से शुरू हो रहा है। मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के बैनर तले 32 कर्मचारी संगठन पुरानी पेंशन बहाली, पदोन्नति समेत 48 मांगों को लेकर प्रदर्शन करेंगे और ज्ञापन सौपेंगे। आंदोलन के पहले चरण में सभी जिला मुख्यालयों पर कर्मचारी एकजुट होकर प्रदर्शन करेंगे और मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे। मोर्चा के अध्यक्ष एमपी द्विवेदी के अनुसार, आंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए सभी संभागों में प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। ये प्रभारी 2 फरवरी को अपने-अपने संभाग मुख्यालय पर मीडिया से चर्चा कर आंदोलन की आवश्यकता को स्पष्ट करेंगे। मोर्चा के संयोजक महेंद्र शर्मा और एसबी सिंह ने बताया कि फिलहाल चार चरणों के आंदोलन की घोषणा की गई है। इन चरणों के बाद सरकार का रुख देखा जाएगा। अगर सरकार ने मांगों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी, तो हड़ताल का निर्णय लिया जा सकता है। आंदोलन में मध्य प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ, पशुपालन परिक्षेत्र अधिकारी कर्मचारी संघ और तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ समेत कई प्रमुख संगठन शामिल हैं।

भोपाल की योगा टीचर से युवक ने की ज्यादती

- एम्स से पीएचडी कर रहा है आरोपी, कॉलेज में दोस्त रहे पीड़िता और आरोपी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ऐशबाग थाने में एक महिला ने प्रेमी के खिलाफ रेप की एफआईआर दर्ज कराई है। पीड़िता योगा क्लासेस लेती है। वहीं आरोपी एम्स से पीएचडी कर रहा है। दोनों के बीच कॉलेज के दिनों से परिचय रहा है। आरोपी युवक की फिलहाल गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। ऐशबाग पुलिस ने बताया कि 34 वर्षीय युवती मिसरोद इलाके की एक कॉलोनी में रहती है। दस साल पहले वह एक निजी इंजीनियरिंग कॉलोनी से पढ़ाई कर रही थी। इस दौरान उसकी दोस्ती कॉलेज में ही पढ़ने वाले दुर्जन सिंह यदुवंशी नाम के छात्र से हो गई थी। कॉलेज की पढ़ाई पूरी होने के बाद युवती योग की क्लासेस चलाने लगी जबकि युवक एम्स में योग का प्रशिक्षक बन गया। साथ ही वह एम्स से पीएचडी भी करने लगा।

तीन साल पहले दोबारा मुलाकात हुई

2022 में दोनों एक बार फिर से संपर्क में आए। इसके बाद उनके बीच प्रेम-प्रसंग हो गया। सितंबर 2022 में घुमाने के बहाने दुर्जन युवती को ऐशबाग इलाके में अपने दोस्त के घर लेकर गया। यहां पर उसने युवती की मर्जी के बगैर उसके साथ शारीरिक संबंध बना लिए। ज्यादती करने के बाद उसने युवती को शादी करने का झांसा दिया और शारीरिक शोषण करने लगा।

नागरिकों को उन्नत, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

जेपी हॉस्पिटल में कम रेट में होगी एमआरआई

- डिप्टी सीएम ने लोकार्पण किया, रोज 80 मरीजों को फायदा, 1423 रुपए में हो सकेगी जांच
- जेपी हॉस्पिटल भोपाल बना एमआरआई सेवा प्रदान करने वाला प्रदेश का पहला ज़िला चिकित्सालय

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश के सभी जिला चिकित्सालयों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त करने के लिये तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि नागरिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उनके ही जिले में उपलब्ध कराई जाएं। इसके लिए स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है और आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। नागरिकों को उन्नत, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जिला चिकित्सालय भोपाल (जेपी हॉस्पिटल) में एमआरआई जांच सेवा केंद्र का लोकार्पण किया। एमआरआई सेवा प्रदान करने वाला जेपी हॉस्पिटल प्रदेश का पहला जिला चिकित्सालय बन गया है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त और विस्तारित करने के लिए सरकार सतत प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि एमआरआई जांच सेवा उज्जैन, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में भी शीघ्र शुरू की जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह सेवा सीजीएचएस दर से 30 प्रतिशत कम शुल्क पर नागरिकों को उपलब्ध होगी। साथ ही, आयुष्मान भारत योजना के तहत पंजीकृत हितग्राहियों के लिए यह सेवा निःशुल्क रहेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य सेवाओं में अभूतपूर्व सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी स्वयं विकास कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में

हो रहे सुधार न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य की चुनौतियों को भी ध्यान में रखते हुए किए जा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि जेपी हॉस्पिटल में मार्च 2025 तक कैथ लैब और हृदय उपचार संबंधी सुविधाओं का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। यहां कैथ लैब और सीटीवीएस सेवाओं के माध्यम से एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, हार्ट ट्रांसप्लांट और बाईपास सर्जरी जैसी उन्नत सेवाएँ उपलब्ध होंगी। इसके तहत 100 बिस्तरों की हृदय उपचार यूनिट स्थापित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में देरी न हो और सभी सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। राज्य मंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाएँ निरंतर सशक्त हो रही हैं। मेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं। भविष्योनुमुखी चुनौतियों के दृष्टिगत स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त किया जा रहा है। चिकित्सकीय सहायक चिकित्सकीय पदों में 46 हज़ार से अधिक पदों में भर्ती की जा रही है। इन प्रयासों से सभी नागरिकों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुरक्षा प्राप्त होगी। विधायक श्री भगवानदास सबनानी, महापौर श्रीमती मालती राय, नगर निगम भोपाल अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी, सिविल सर्जन डॉ. राकेश श्रीवास्तव उपस्थित रहे। भोपाल एमआरआई केंद्र 10 करोड़ 50 लाख की लागत से स्थापित किया गया है, जिसमें भवन निर्माण, उपकरण और तकनीकी उन्नयन शामिल हैं। इसमें 1.5 टेस्ला यूएमआर 580 मशीन लगाई गई है, जो हाल ही में लॉन्च उन्नत तकनीक से लैस है। यह तेज, सटीक स्कैनिंग, उन्नत इमेजिंग और ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित करती है। केंद्र में प्रतिदिन 80 मरीजों की स्कैनिंग क्षमता है, न्यूनतम प्रतीक्षा समय और सटीक रिपोर्टिंग के साथ गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करता है।

सीजीएचएस से 30 प्रतिशत से कम दर में मिलेगी सेवा, आयुष्मान हितग्राहियों को नि:शुल्क

मरीजों को उन्नत एमआरआई सुविधाएं सीजीएचएस दरों से 30 प्रतिशत तक कम शुल्क पर उपलब्ध कराई जाएंगी। आयुष्मान भारत योजना के हितग्राहियों को यह सुविधा पूरी तरह निःशुल्क प्रदान की जाएगी। एमआरआई पेट (प्लेन) (सीजीएचएस दर रू. 2125) यहां रू. 1423 में उपलब्ध है। एसआईआई ब्रेन (प्लेन) (सीजीएचएस दर रू. 1998) रू. 1338 में, एमआरआई कंधा (प्लेन) (सीजीएचएस दर रू. 2000) रू. 1339 में और एमसआरआई घुटना (कॉन्ट्रास्ट) (सीजीएचएस दर रू. 4500) केवल रू. 3014 में किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, अस्पताल में एमआरआई एंजियोग्राफी (कॉन्ट्रास्ट) (सीजीएचएस दर रू. 4950) की दर रू. 3315 रखी गई है। वहीं, गंभीर बीमारियों के निदान के लिए संपूर्ण शरीर की एसआरआई (ऑन्कोलॉजिकल वर्कअप) (सीजीएचएस दर रू. 5100) रू. 3415 में उपलब्ध होगी। एसआरआई पीठ (लम्बर स्पाइन) जैसी सेवाएं भी (सीजीएचएस दर रू. 2125) रू. 1423 में उपलब्ध कराई जा रही हैं।

एयरगन से छात्रा के सीने में छर्रा लगा, गंभीर

कबूतर का शिकार करते वक्त हादसा; रिश्तेदार पर हत्या के प्रयास का केस

भोपाल (नप्र)। भोपाल ग्रामीण के बैरसिया इलाके में सोमवार को एक छात्रा के सीने में विदेशी एयरगन का छर्रा लग गया। छात्रा, जो बीबीए थर्ड ईयर की छात्रा है, कपड़े उठाने के लिए छत पर गई थी। इस दौरान पास में रह रहे एक युवक ने एयरगन से कबूतर मारने की कोशिश की, लेकिन निशाना चूकने से छर्रा छात्रा को लग गया। छर्रा छाती के पास से होते हुए आर-पार हो गया है, हालांकि उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद छात्रा को भोपाल के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। बैरसिया थाना प्रभारी अरुण शर्मा के अनुसार, घटना सोमवार शाम करीब 5.30 बजे की है, जब छात्रा छत पर सूख रहे कपड़े उतारने गई थी।

विदेशी एयरगन से निकला छर्रा, छात्रा की हालत गंभीर: बैरसिया इलाके में एक छात्रा को विदेशी एयरगन से छर्रा लगने से गंभीर चोटें आईं। घटना में एयरगन से निकला छर्रा अदीबा के हृदय के नीचे धंसकर पीछे निकल गया। लहूलुहान हालत में छात्रा घिसटते हुए जीने तक पहुंची और आवाज लगाकर मां-पिता को बुलाया। जब परिजन छत पर पहुंचे, तो उनकी हालत देखकर घबरा गए और तुरंत उसे भोपाल के अस्पताल लेकर गए। घटना स्थल पर एक-दो मृत कबूतर भी पाए गए, जिससे यह संदेह जताया जा रहा है कि पड़ोस में एक व्यक्ति एयरगन से कबूतरों को निशाना बना रहा था, और निशाना चूकने से छर्रा छात्रा को लग गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अदीबा का ऑपरेशन हुआ, हालत अब स्थिर: बैरसिया इलाके में एयरगन से लगे छर्रे के बाद मंगलवार को अदीबा का ऑपरेशन किया गया। परिजनों के अनुसार, अदीबा बीबीए तृतीय वर्ष की छात्रा है और दो बहनों में दूसरे नंबर पर है। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। ऑपरेशन के बाद अदीबा की हालत अब ठीक बताई जा रही है। डॉक्टरों ने बताया कि छर्रा हार्ट के ठीक नीचे लगा था, और यदि यह थोड़ा ऊपर होता तो स्थिति गंभीर हो सकती थी।

अदीबा ने बताया: लगा, अब उठ नहीं पाऊंगी: अदीबा ने घटना के बाद बताया कि गोली पड़ोस में रहने वाले ताहिर भाई की छत से चली थी। हालांकि, उसने किसी को देखा नहीं, लेकिन गोली उसी से चली थी।

छिंदवाड़ा में कुएं में दबे तीनों मजदूरों की मौत

मुख्यमंत्री ने 4-4 लाख रुपए की सहायता का ऐलान किया

24 घंटे बाद भी बाहर नहीं निकाले जा सके शव; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी था

छिंदवाड़ा (नप्र)। छिंदवाड़ा में कुआं धंसने से मलबे में दबे तीन मजदूरों को बचाया नहीं जा सका। करीब 22 घंटे तक चले रेस्क्यू के बाद भी उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। हालांकि शव अभी कुएं से बाहर नहीं निकाले जा सके है। एनडीआरएफ की टीम अभी भी रेस्क्यू कार्य में जुटी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मजदूरों की मौत पर दुख जताया है। उनके परिजन को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की बात भी कही है।

छिंदवाड़ा के खुनाझिर खुर्द गांव में ऐशराव वस्त्राणे के खेत में कुएं को गहरा किया जा रहा था। इसके लिए राजस्थान और भोपाल की टीम को ठेका दिया था। रायसेन और बुधनी से मजदूर यहां काम करने आए थे। मंगलवार दोपहर करीब 4 बजे खुदाई के दौरान ऊपर से मलबा और पत्थर नीचे आ गिरे। मां-बेटे समेत तीन मजदूर इसमें दब गए थे।

हादसे में इनकी गई जान

1. वासिद पिता कल्लू खान, उम्र 18 वर्ष, निवासी- सुल्तानपुर, रायसेन
2. राशिद पिता नन्हे खान उम्र 18 वर्ष, निवासी- तुलसीपार, बुधनी
3. शहजादी पति नन्हे खान उम्र 50 वर्ष, निवासी- तुलसीपार बुधन।

युवक को बाइक सवार ने टक्कर मारी, मौत

सड़क पार करते समय हुआ हादसा, आरोपी चालक फरार

भोपाल (नप्र)। भोपाल में बाइक सवार युवक ने सड़क पार कर रहे मजदूर को जोरदार टक्कर मार दी। घटना मंगलवार रात की है। इलाज के दौरान बुधवार सुबह घायल की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। आरोपी चालक की बाइक नंबर के आधार पर तलाश की जा रही है। सुभाष पुत्र ओमकार (30) ईटखेड़ी में रहता था। मूल रूप से जबलपुर का रहने वाला है। एक साल पहले मजदूरी के लिए में भोपाल आया था। मंगलवार की रात को 8:30 बजे ईटखेड़ी बाजार मेन रोड को पार कर रहा था। तभी बैरसिया से भोपाल सड़क से आ रही बाइक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी चालक भी गिर गया था। हालांकि वह तत्काल उठा और अपनी बाइक को लेकर चलता बना। राहगीरों ने उसे एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया था, जहां इलाज के दौरान बुधवार की तड़के सुबह उसकी मौत हो गई।

दो मासूम बच्चों का पिता था: सुभाष का एक बेटा और एक बेटी है। वह रोजगार की तलाश में भोपाल आया था। उसे उम्मीद थी की भोपाल जैसे बड़े शहर में उसे अधिक मजदूरी मिलेगी। इससे वह अपने परिवार को बेहतर ढंग से पाल सकता है। बुधवार दोपहर को पीएम के बाद पुलिस ने बॉडी को परिजनों के हवाले कर दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'सेना दिवस' पर दी शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 15 जनवरी को 'सेना दिवस' पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सेना दिवस देश के वीर जवानों के शौर्य, पराक्रम, त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीर सैनिकों को नमन करते हुए कहा कि देशवासियों को अपनी सेना और सैनिकों के साहस पर गर्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन भारतीय सेना की वीरता से परिपूर्ण गाथाओं और कर्तव्य निष्ठ पर गर्व करने का दिन है। मातृभूमि की रक्षा के लिये हमारे जवानों की निःस्वार्थ सेवा और समर्पण पर देशवासियों को गर्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं देश की सेना के जवानों को सैल्यूट करता हूँ, जिन्होंने मौसम और हालातों पर काबू पाते हुए देश की रक्षा और आन-बान के लिए अपने परिवार से ऊपर अपने कर्तव्य पथ पर दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं।

कार्बन मार्केट पर मंथन, भोपाल में जुटे एक्सपर्ट

बोले-एमपी को कार्बन बाजार के लिए मजबूत बनाएंगे; आर्थिक लाभ बढ़ेगा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में कार्बन बाजार पर मंथन करने के लिए बुधवार को भोपाल में एक्सपर्ट जुटे। करीब 3 घंटे तक एक्सपर्ट ने इस मुद्दे पर चर्चा की। इन्होंने कार्बन मार्केट की उपयोगिता के बारे में बताया। कहा कि एमपी को कार्बन बाजार के लिए मजबूत बनाएंगे। जिससे आर्थिक लाभ भी बढ़ेगा। इंदौर नगर निगम कार्बन क्रेडिट कर चुका है। एप्को (पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन) और डब्ल्यूआरआई (वर्ल्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट) ने संयुक्त रूप से कार्बन बाजारों से लाभ और अवसरों का लाभ उठाने के लिए मप्र को मजबूत बनाना विषय पर सेमिनार किया। इसमें प्रदेश की जलवायु और विकास संबंधी प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए कार्बन बाजारों के माध्यम से कार्बन वित्त को एकीकृत करने की रणनीतियों सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई।

कार्बन बाजार के लिए क्षमता विकास कार्यशालाएं जरूरी-श्रीवास्तव: नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव ने कहा, जलवायु योजनाएं अधिक आर्थिक

व्यवहारिकता की ओर बढ़ रही हैं। कार्बन मार्केट इस परिवर्तन में पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रदेश में कई क्षेत्रों के लिए कार्बन ट्रेडिंग अब व्यावहारिक है। जिसमें सौर ऊर्जा और अपशिष्ट प्रबंधन शामिल हैं।

प्रौद्योगिकी में प्रगति, शासकीय नीति समर्थन, वित्तीय संस्थानों से सहायता और मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ अधिक से अधिक सेक्टर जल्द ही कार्बन मार्केट में हिस्सेदारी लेने में सक्षम होंगे। इस तरह की कैपेसिटी डेवलपमेंट वर्कशॉप्स के माध्यम से हमारा लक्ष्य यह स्टडी करना है कि अपनी परियोजनाओं में कार्बन मार्केट को बेहतर तरीके से कैसे शामिल करें। डब्ल्यूआरआई इंडिया ने इस तरह के कार्यों को विकसित करने के लिए अच्छी भूमिका भी निभाई है।

पेरिस समझौते के आर्टिकल से कार्यशाला की शुरुआत: कार्यशाला की शुरुआत पेरिस समझौते के अनुच्छेद-6 के अंतर्गत वैश्विक कार्बन बाजार संरचना के अवलोकन के साथ हुई, जो कार्बन मार्केट को नियंत्रित करता है। इसमें कार्बन उत्सर्जन में कमी पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए एक तंत्र प्रस्तुत करता है। जिसमें तीन प्रमुख घटक शामिल हैं। पहला, देशों को बातचीत की शर्तों के अंतर्गत उत्सर्जन में कमी के लिए सीधे व्यापार, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय समझौतों में शामिल होने की अनुमति। दूसरा, मानकीकृत कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रशासित अनुच्छेद 6.4 वैश्विक कार्बन बाजार की स्थापना। तीसरा, अनुच्छेद 6.8 गैर-बाजार सहयोग पर ध्यान केंद्रित करना।

संपादकीय

ट्रंप के न्यौते पर बवाल

अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने शपथ ग्रहण में किसे बुलाते हैं और किसे नहीं, यह उनका अपना निर्णय है, लेकिन आजकल इस तरह के न्यौते दो देशों के बीच रिश्तों की मजबूती और आत्मीयता का भी परिचायक बन गए हैं। ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर जा रहे हैं। लेकिन अगर मोदी जाते तो बात कुछ अलग होती। ताजा बवाल भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ट्रंप के शपथ ग्रहण का निजी तौर पर न्यौता न मिलने से जुड़ा है। ट्रंप के ऑफिस ने भारत को आने का निमंत्रण दिया है, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर मोदी को नहीं बुलाया है। इस पर तंज कसते हुए भाजपा नेता और विवादित बयान देने वाले सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा कि ट्रंप ने दूसरे देशों के वेटर तक को आमंत्रण दिया है, लेकिन भारत के पीएम मोदी को नहीं बुलाया है। कुल मिलाकर स्वामी का आशय है कि मोदी को बुलाना को न बुलाकर ट्रंप ने एक तरह से उनकी उपेक्षा की है। जबकि ट्रंप के पहले कार्यकाल में मोदी और ट्रंप की गाढ़ी दोस्ती मानी जाती थी। मोदी ने तो अपनी अमेरिका यात्रा में पिछले चुनाव के पहले 'अबकि बार, ट्रंप सरकार' जैसा नारा दे दिया था। हालांकि तब ट्रंप चुनाव हार गए थे। हालांकि इस बार हुए चुनाव में उन्हें भारी बहुमत मिला। ट्रंप ने चुनाव के पहले और दौरान कुछ ऐसे बयान भी दिए, जिससे भारत में उनके प्रशंसकों की संख्या बढ़ गई। यहां तक कि उन्हें जिताने के लिए भारत में कई जगह अनुष्ठान भी हुए। ऐसे में यह माना जा रहा था ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद मोदी ट्रंप दोस्ती का नया दौर शुरू होगा। लेकिन ट्रंप ने अपने शपथ ग्रहण समारोह में चीन के राष्ट्रपति झी जिन पिंग सहित 7 राष्ट्राध्यक्षों को न्यौता भेजा, लेकिन मोदी को नहीं भेजा। इस चाल में भारत अमेरिकी संबंधों को लेकर कई अर्थ खोजे जा रहे हैं। कहा जा रहा है मोदी को व्यक्तिगत न्यौता न देने के पीछे चीनी राष्ट्रपति का कद मोदी से बड़ा होने का संदेश देने की कोशिश है। वह भी तब कि जब अमेरिका चीन पर अंकुश रखने के लिए भारत को सबसे महत्वपूर्ण पार्टनर मानता है। कुछ लोग इसके पीछे ट्रंप के सलाहकार एलान मस्क का हाथ भी मान रहे हैं, क्योंकि मस्क भारत में टेस्ला कार लांच करना चाहते हैं, लेकिन भारत सरकार ने उन्हें टैक्स में छूट देने से इंकार कर दिया है। मोदी को न बुलाना इसलिए भी हैरान करने वाला है, क्योंकि ट्रंप की सरकार में बड़ी संख्या में भारतीयों की भागीदारी है। यह माना जा रहा था कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत और अमेरिका के रिश्ते नई ऊंचाइयों को छुएंगे। तो क्या मोदी को न बुलाकर ट्रंप ऐसा करके भारत और मोदी को कोई संदेश देना चाह रहे हैं? यह बड़ा सवाल है। वैसे भी पद संभालने के बाद ट्रंप की भारत को लेकर नीति क्या होगी, यह कोई नहीं कह सकता। लिहाजा भारत को भी फूंक-फूंक कर आगे कदम रखना होगा। ट्रंप ने साफ कर दिया है कि उनकी नीति 'अमेरिका फर्स्ट' की होगी। ऐसे में अगर भारत कहीं आड़े आया तो ट्रंप उसे भी शायद ही बख्शें। एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि मोदी की बाइडेन से बनी अच्छी ट्यूनिंग से भी ट्रंप खफा हैं। लेकिन यह उनकी अंदरूनी राजनीति का मामला है। इसकी छाया भारत-अमेरिका रिश्तों पर पड़ने देना राजनीतिक और कूटनीतिक बुद्धिमानी नहीं होगी। दूसरे, अमेरिका पर कभी भी सौ फीसदी भरोसा नहीं किया जा सकता। वह केवल भारत का इस्तेमाल न करे, यह सावधानी रखनी जरूरी है।

नजरिया

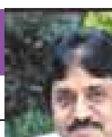

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भारत के लिये खतरा है पाक-बांग्लादेश की नजदीकियां

बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से लगातार भारत विरोधी गतिविधियों एवं कारगुजारियों एवं षड्यंत्रों में संलग्न है, लगता है पाकिस्तान के शह पर बांग्लादेश का भारत विरोधी रवैया बढ़ रहा है। बांग्लादेश में लगातार भारत विरोधी मुहिम व अल्पसंख्यक हिन्दुओं एवं हिन्दू धर्मस्थलों पर हिंसक हमलों के बाद अब भारत सीमा पर बाड़बंदी को लेकर बेवजह का विवाद खड़ा किया जा रहा है। जबकि इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच पहले ही सहमति बनने के बाद बड़े हिस्से पर बाड़बंदी हो चुकी है। लेकिन टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों की आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं। बांग्लादेश भारत की शांति व सद्भाव की कामना एवं सहनशीलता को उसकी कमजोरी न माने, ऐसी भूल बांग्लादेश के लिये बहुत भारी पड़ सकती है। दोनों देशों की शांति, सद्भावना एवं सौहार्द के लिये किसी तीसरे देश के दखल को बढ़ने न दिया जाये।

2015 में शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ढाका पहुंचे। यहां दोनों नेताओं ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। इसे लैंड बाउंड्री एग्रीमेंट कहते हैं। इसी के अन्तर्गत भारत ने अब तक 3271 किलोमीटर सीमा कर बाड़बंदी कर दी है। अब केवल 885 किलोमीटर खुली सीमा की बाड़बंदी बाकी है। भारत बचे इलाके की बाड़बंदी कर रहा है लेकिन बांग्लादेश भारत की कोशिशों में अड़ंगा डाल कर दोनों देशों के बीच हुए समझौते को नकार रहा है। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बुलाकर विरोध व्यक्त किया तो इसके जवाब में भारत ने भी जवाबी कार्रवाई की और बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिश्नर नूरूल इस्लाम को तलब कर अपना विरोध जताया। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है। सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं। विशेषतः पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की युनूस सरकार पाकिस्तान के इशारों पर पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। निश्चित ही पाक से उसकी नजदीकियां लगातार बढ़ी हैं और वहां पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है, ऐसी जटिल होती स्थितियों में भारत को अपनी सुरक्षा चिंताओं के लिये कदम उठाने ही चाहिए एवं अपनी सीमाओं को सुरक्षित बनाना ही चाहिए। पाकिस्तान पंजाब, जम्मू-कश्मीर व नेपाल के रास्ते आतंकवादियों को भारत भेजने की कोशिशें लगातार करता रहा है, अब उसने बांग्लादेश को भी इन गतिविधियों के लिये चुना है एवं बांग्लादेश से लगी भारत की खुली सीमा का दुरुपयोग कर रहा है तो भारत को सतर्क एवं सावधान होना ही चाहिए। पाकिस्तान से लगती सीमा पर तमाम चौकसी के बाद भी सीमा पार से जिस तरह जब-तब आतंकियों

की घुसपैठ होती रहती है, वह गंभीर चिंता की बात है। जब पाकिस्तान से लगती सीमा भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई है, तब यह शुभ संकेत नहीं कि बांग्लादेश से लगी सीमा भी भारत के लिए चिंता का कारण बने।

बड़ी सच्चाई है कि पाक का जन्म ही भारत विरोधी मानसिकता से हुआ है। ऐसे में अतीत से सबक लेते हुए भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चूक नहीं करनी चाहिए। किसी भी तरह की ढिलाई भारतीय सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन, दौगलापन एवं टकराव लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर घातकएवं विनाशकारी साबित हो सकती है। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है, दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका को साफ-साफ देख जा रहा है। जबकि शेख हसीना शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के संबंध सामान्य थे तो भारत बांग्लादेश को विश्वास में लेकर बाड़बंदी कर रहा था लेकिन अब यूनुस सरकार लगातार उकसाने वाली कार्रवाई कर रही है। उसने पाकिस्तानियों का बांग्लादेश में प्रवेश आसान कर दिया है तो पाक के बांग्लादेश को भारत विरोधी प्लेटफॉर्म के रूप में इस्तेमाल करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी के चलते बांग्लादेश की भारत विरोधी बयानबाजी और कारगुजारी से दोनों देशों के संबंधों में जबरदस्त कड़वाहट आ चुकी है। बावजूद इसके गत दिसम्बर में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपनी ढाका यात्रा के दौरान बांग्लादेश को आश्वस्त किया था कि भारत उसका दोस्त बना हुआ है और व्यापार, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के मामलों में रिश्ते पहले की तरह बरकरार रहेंगे। उस समय ऐसा लगा था कि दोनों पक्षों ने सीमा पर स्थिति को शांत कर लिया है।

यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। जेल में बंद कई भारत विरोधी तत्वों को बेल दे दी गयी है, ये ही तत्व भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। लिहाजा भारत के लिये बॉर्डर पर घेराबंदी अत्यावश्यक हो गयी है। राजनीतिक आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह के चलते यूनुस सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को निपटाने एवं धुंधलाने की कोशिशों में लगी हुई है। कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। भारत में पहले से ही लाखों बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं लेकिन ढाका द्वारा आतंकवादियों और दोषी ठहराए गए इस्लामी कट्टरपंथियों की रिहाई के बाद भारत द्वारा बॉर्डर पर कंटीले तारों को लगाने की कोशिश का बांग्लादेश सरकार द्वारा कड़ा विरोध दर्शा रहा है कि पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश भी भारत में अस्थिरता, अशांति एवं अराजकता फैलाना चाहता है।

बांग्लादेश बाड़ लगाने के समझौते का सम्मान करने के बजाय उसकी समीक्षा करने की बात करके उसमें रौड़ा अटकाना चाह रहा है। वह उन स्थानों पर कंटीले तारों वाली बाड़ लगाने का खास तौर पर विरोध कर रहा है, जहां से बड़े पैमाने पर घुसपैठ और तस्करी होती है और यही से आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने की संभावनाएं हैं। इसके कुछ पुष्ट प्रमाण भी मिले है। इस संदर्भ में बांग्लादेश वैसे ही कुतर्क एवं बेतूके तथ्य प्रस्तुत कर रहा है, जैसे सीमा सुरक्षा के भारत के प्रयत्नों पर पाकिस्तान करता रहता है। हैरानी नहीं कि यह बांग्लादेश से पाकिस्तान की हालिया नजदीकी किसी बड़ी दुर्घटना या आतंकी हमले का सबब बन जाये। भारत इसकी अनदेखी नहीं कर सकता। भारत को यह देखना होगा कि कहीं ये दोनों देश मिलकर उसके खिलाफ कोई ताना-बाना तो नहीं बुन रहे हैं? निश्चित रूप से पिछले दिनों बांग्लादेश से रिश्तों में जिस तरह से अविश्वास एवं कड़वाहट उपजी है, उसके चलते भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज नहीं कर सकता। भारत के लिए यही उचित है कि वह पाक-बांग्लादेश के संभावित गठजोड़ से सावधान रहे। भारत को अपनी सुरक्षा चिंताओं के लिये कदम उठाने ही चाहिए। बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश यानी बीजीबी में कई बार बातचीत के बाद बाड़बंदी मुद्दे पर सहमति बन चुकी है। लेकिन बांग्लादेश भारत की सदाशयता एवं उदारता के बावजूद टकराव के मूड में नजर आता है। ऐसा ही रवैया उसका अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भी रहा है, जिस बारे में वह अब दलील दे रहा है कि हालिया बांग्लादेश में हिन्दुओं से जुड़ी हिंसक घटनाएं सांप्रदायिक नहीं बल्कि राजनीतिक कारणों से हुई हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका हो। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, उसका यह रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण कहा जाएगा।

उपलब्धि

ऋतुपर्ण दवे

लेखक स्वतंत्र पत्रकार स्तंभकार हैं।

मोहन सरकार में शहडोल को लगे विकास के पंख

हर कहीं विकास की संभावनाएं होती हैं। मध्यप्रदेश में भी अपार संभावनाएं हैं। संसाधनों व प्राकृतिक वरदान के चलते शहडोल में तो और भी ज्यादा हैं। जनजातीय बहुल क्षेत्र होने के बावजूद खनिज तथा दूसरे प्राकृतिक संसाधन यहां भरपूर हैं। जहां एक ओर कोयले का अकूत भण्डार है तो दूसरी ओर संभाग में तीन अलग-अलग क्षेत्रों में बड़े बिजली उत्पादन केन्द्र हैं। अमरकण्टक थर्मल पॉवर प्लाण्ट, चचाई, संजय गांधी ताप विद्युत केन्द्र बिरसिंहपुर पाली तो जैतहरी में मोजर बेयर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड जिसे अब, हिंदुस्तान पावर प्रोजेक्ट्स के नाम से जाना जाता है। शहडोल से करीब सिंगरौली भी वह जगह है जहां कोयला और बिजली दोनों का उत्पादन होता है। कहने का तात्पर्य यह कि विन्ध्य में यदि सबसे ज्यादा विकास की संभावनाएं कहीं हैं तो वह है शहडोल। कभी शहडोल का अकेला जिला आज संभाग में तब्दील हो अपने पुराने स्वरूप को नए नाम से पा तो चुका है। लेकिन बावजूद इसके अपने महत्व और उपलब्धियों को लेकर नए नाम और पहचान के लिए संघर्षरत है।

यह सच है कि भाजपा शासन के कार्यकाल के दौरान ही शहडोल को उसकी प्राकृतिक उपलब्धियों और प्रचुरता के चलते नया आयाम मिला। आज रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव को लेकर शहडोल देश और विदेश को अपनी ओर इन्ही खूबियों के चलते आकर्षित कर रहा है। 16 जनवरी को हो रहे रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के लिए अब तक 20 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव सरकार को मिल चुके हैं। इधर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी इसको लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा है कि उद्योग लगाने के लिए जो निवेशक मध्यप्रदेश आ रहे हैं उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होने देंगे। निवेशकों की सुविधा के लिए हर जिले में इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन सेंटर प्रारंभ किए गए हैं। जिला कलेक्टरों को इनका नोडल अधिकारी बनाया गया है। प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां बनाई गई हैं। इसमें मध्यप्रदेश देश में चौथे स्थान पर है।

जहां तक शहडोल में उद्योग की संभावनाओं की बात है तो यहां पर एक ओर जहां कोयले की प्रचुरता है तो दूसरी बड़े-बड़े पॉवर प्रोजेक्ट हैं। इसके अलावा रिलायंस का सीबीएम प्रोजेक्ट पहले ही शहडोल को देश में अलग मुकाम दिला चुका है। जमीन की भी कोई कमीं नहीं है। शहडोल के अलावा बेहद करीब कोलफील्ड और ऊर्जा के हब के रूप में सिंगरौली भी

है जो किसी तोहफे जैसा है। निश्चित रूप से किसी भी उद्योग के लिए ऊर्जा और जगह की खासियत अहम होती है। दोनों मामलों में शहडोल बेहद सौभाग्यशाली है। इतना ही नहीं कभी यहां एशिया की दूसरी सबसे बड़ा कागज कारखाना ओरियन्ट पेपर मिल बनी जो आज भी पूरी गति से संचालित है। कागज उद्योग की और भी संभावनाओं के साथ यहां पर खनिज प्रसंस्करण, गैस आधारित उद्योग और हरित ऊर्जा परियोजनाओं में भी निवेश की भी अपार संभावनाएं हैं।

निश्चित रूप से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की यह सोच उनकी दूरदर्शिता ही है जो उन्होंने प्रदेश के इस दक्षिण-पूर्वी छोर पर स्थित आखिरी संभाग की खूबी को न केवल पहचाना बल्कि मूर्त रूप देने का प्रयास किया। शहडोल को विकास की गति देने में उप-मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल की भी महती भूमिका है। निश्चित रूप से मध्यप्रदेश का यह 7वां रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव अपने आम में मिशाल होगा जो बेमिशाल होगा। बस एक कसक प्रकृति के अकूत वरदानों से भरे जनजातीय, आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व के इलाके की रह गई है कि काश संभाग का नाम नर्मदा संभाग होता और अनूपपुर जिले का नाम मां नर्मदा के नाम रेवाखंड जिला तथा उमरिया का नाम विश्व प्रसिध्द राष्ट्रीय उद्यान बांधवगढ़ के नाम होता तो यह सोने में सुहागा जैसा होता। विश्वास है कि देर-सबेर यह भी होगा।

इतना ही नहीं शहडोल की उपलब्धियां अपने आप में विश्व व्यापी है। यहां से ही देश की उस नदी 'नर्मदा' का उद्गम होता है जिसके दर्शन मात्र से पुण्य प्राप्त होता है। वहीं सोन का भी उद्गम यहीं से होता है। अमरकण्टक शहडोल के पर्यटन उद्योग को चार चांद लगाने के लिए अलग धार्मिक, आध्यात्मिक केन्द्र जैसी पहचान भी रखता है। इस पवित्र नगरी के कायाकल्प के लिए भी राज्य सरकार पुरजोर कार्य कर रही है। इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ेगा बल्कि मध्यप्रदेश के इस अनूठे प्राकृतिक स्थल को लोग बार-बार देखने आते हैं और आते रहेंगे। विश्व विख्यात नर्मदा और सोन का उद्गम अमरकंटक वैसे भी दुनिया में अलग स्थान रखता है। जहां अमरकण्टक से निकली नर्मदा गुजरात के लिए वरदान कहलाती है तो सोन बिहार के लिए लाइफ लाइन से कम नहीं है।

अमरकंटक की मेकल, विन्ध्य और सतपुड़ा पहाड़ियों की सुन्दरता और दर्जनों बल्कि सैकड़ों ऐसे स्थान हैं जहां प्राकृतिक हरियाली, कीमती जड़ी-बूटियां, प्राचीन तप स्थलियां और पहाड़ों की सुन्दरता देखते ही बनती है। जैसे-जैसे शहडोल औद्योगिक रूप लेगा निश्चित रूप से अमरकंटक की वादियां और पुण्यता भी इसके विकास को चार चांद लगाएंगी। वहीं विश्व विख्यात बांधवगढ़ भी शहडोल के गौरव को बढ़ाता है। दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इसीलिए बांधवगढ़ अम्बानी परिवार को भी खूब भाया। शहडोल से सटा लालपुर भी दशकों तक विन्ध्य का जाना माना निजी हवाई अड्डा था। यहां देश के बड़े उद्योगपति और कागज कारखाना अमलाई के मालिक अपने निजी विमान से उतरा करते थे। बाद में देश के कई प्रधानमंत्री भी इस जगह पर उतरे। आज मध्यप्रदेश शासन के भावी हवाई अड्डों में शहडोल के इसी लालपुर का नाम है जहां पर 1 जुलाई 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आए थे और पकरिया गांव के ग्रामीणों से न केवल संवाद किया बल्कि खटिया पर बैठकर देशी पत्तल में जनजातीय क्षेत्र के श्री अन्न कोदो का भात, कुटकी की खीर और दूसरे देशी व्यंजन खाए थे। आज शहडोल अपने नए रूप और अधिकार को पाने के लिए बांहे बिछाए सबके स्वागत को तैयार है तो लालपुर को इंतजार है कि शहडोल के विकास को हवाई जहाज के पंखों से गति मिले ताकि देश-विदेश के लोग सीधे शहडोल पहुंच सकें। वाकई शहडोल बदल रहा है और गढ़ने को तैयार है विकास के नित नए आयाम।

अलार्म लगाकर सोने के अपने मजे हैं

कटाक्ष

– मुकेश राठौर

लेखक व्यंग्यकार हैं।

आचार्य चाणक्य ने अपने नीति ग्रंथ में लिखा है कि 'जागृतस्य न च भयम।' अर्थात् जागते रहने से भय नहीं रहता लेकिन आदमी के लिए सोना भी उतना ही जरूरी है भाई साहब,जितना जागना। लार्सन एंड टुब्रो चेयरमैन एस एन सुब्रह्मण्यम के रविवार भी काम पर जाने के बयान के विरुद्ध कईयों का तो मानना है कि रविवार सिर्फ सोने के लिए बना है। उनका मानना है जागने के बरअक्स सोने में भय नहीं रहता। भयमुक्त शयन को सत्य मान लोग करवट मार पड़े रहते हैं। जागे हुए सोते से। जागना सकर्मक जबकि सोना अकर्मक क्रिया है, माने सोने में कुछ करने की जरूरत नहीं, सिवाह सांस लेने के। आदमी दिन के दो तिहाई समय जागता है जबकि एक तिहाई सोता है। जागरण और शयन दो अनुपात एक में होता है गोया जल में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन। इस हिसाब से यदि जागरण ज्वलनशील हाइड्रोजन है तो मानकर चलिए सोना भी प्राणवायु ऑक्सीजन से किसी तरह कम नहीं।

पहले का आदमी रूखी-सुखी खाकर चैन से सोता था,बावजूद अलसुबह जाग जाता था क्योंकि जागने के मामले में वह आत्मनिर्भर था। फिर यह काम मुर्गों के जिम्मे आया,जो पौ फटते ही 'सुबह हो गई मामू' टाइप बांग देकर सबको जगाने लगें। आज आदमी सोता नहीं,सो जाता है। पता नहीं कब नींद लग जाए। जब सोने का भरोसा नहीं तो जागने की क्या गारंटी? चुनांचे अलार्म लगाकर सोने लगा है। अलार्म लगाकर सोए आदमी को जागने की चिंता नहीं रहती। वह चिंता करना भी नहीं चाहता। अलार्म आने से यही हुआ है। आदमी जागना चाहता है,मगर जागना नहीं चाहता।

घर में छोटा परिवार की धारणा घर कर गई है। अच्छा भी है। परिवार छोटा ही होना चाहिए। हम दो और हमारे दो लेकिन वो?वो कहां जाएंगे जो हमें दुनिया में लेकर आए हैं। हम आत्मा की आवाज नहीं सुनते,मन की मानते हैं। चेतावनी का अलार्म बजता रहता है,हम बंद करते रहते हैं। अलार्म से आप दो जागे न जागे,आपके दो जरूर जाग जाते हैं। अलार्म सुनकर भी कोई कैसे सोया रह सकता है, हां कोई सोने का बहाना करें यह अलग बात है। बहरहाल ,वो दो जागे-जागे मगर आप दो सोए-सोए रहते हैं। जब आपकी नींद खुलती है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।

आप दफ्तर में जाकर अपनी कुर्सी से चिपक जाते हैं। कुर्सियों में चुंबकीय गुण होता है। आदमी पलंग पर पड़े रहकर बेडशुल का शिकार हो जाता है लेकिन कुर्सी पर सालों बैठा रहा पृष्ठ भागों का पेट नहीं भरता। बैठे बैठे कल,परसो और बरसों बाद भी बैठने की योजना बनाते रहता है। दफ्तरी की एक आंख फाइल पर एक घड़ी पर रहती है और जब तीसरी आंख माने बॉस छुट्टी पर हो तो दोनों आँखें मिस अंजलि पर गड़ जाती है। इस बीच कोई जरूरी जानकारी आ जाए तो अलार्म है ना,वही देगा जानकारी। सरकारी काम ऐसे ही होते हैं जिसकी जिम्मेदारी वही जिम्मेदार।

आस-पड़ोस में समाज में प्रेम के नाम लोग प्रेम चोपड़ा बन दुराचार,व्यभिचार,लिव इन और लव जिहाद जैसे नवाचार कर रहे हैं। हम अपने काम से काम रखते है,रखना भी चाहिए। सब काम हो रहे हैं,हम चैन से सो रहे हैं। हमें क्या !अलार्म वाले है ना वो समाज को जगाएंगे। हमारे जागने से क्या होगा,क्या हो जाएगा !

असमय बारिश,गर्मी और शीत माने प्रकृति का अलार्म बज रहा है। जागो प्रदूषक जागो। हम सो रहे हैं। हम क्यों जागे ! अलार्म जगाएगा। अलार्म का काम कान खोलना है,आँखें नहीं। आँखें तो हमे खोलनी होती है। अलार्म लगाने से सिर्फ जागने-जगाने का हितलाभ नहीं वरन सोने के भी मजे हैं। अलार्म तो तय समय से बजता है और बजता रहेगा। हमें जागना है या नहीं,हमें तय करना होगा। विचारणीय है कि जब अपने हिसाब से ही जागना है तो अलार्म लगाने से क्या फायदा?

व्यंग्य

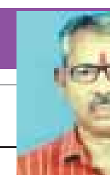

केदार शर्मा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

अपना तो रखले,पहले पराया चखले

अपने में क्या रखा है। भले आदमी पराया चख। आकर्षण तो पराए में है। देखता नहीं दूर के रिश्तों के माफ़िक दूर का पहाड़ कितना सुंदर और सुहावना लगता है ! क्या सघन हरियाली है ! कैसी बलखाती चोटियां है। दूसरी ओर पैरों के नीचे आया पहाड़ कितना खुरदरा लगता है। बचपन में माँ-बाप की रोक-टोक की तरह नुकीले पत्थर चुभते हैं। झाड़ियों के कांटों में कपड़े उलझते हैं। पैरों के नीचे आया पर्वत निष्ठुर लगता है। पास में बज रहा ढोल कर्कश लगता हे,लेकिन दूर के ढोल गजब के सुहावने लगते हैं। इसी तरह भले ही घर की मुर्गी दाल बराबर हो सकती है,परंतु इंतजार तो दूसरे के यहाँ बुफे की उस फ्राई की हुई पराई दाल का ही रहता है। दूसरे की थाली में घी ज्यादा नजर आता है।

अंग्रेजों ने भारत में पैर जमाने के बाद यही तो किया। उन्होंने कहा-'' भइयों ! ये अपनी संस्कृत और संस्कृति को एक तरफ रखो और हमारी वल्चर-कल्चर,रेसीपी,,एटीकेट्स,ड्रेसिंग, दनादन मनते फादर्स,मदर्स,फ्रेंडस और वेलेंटाइन डे और हमारी प्यारी-सी लेंग्वेज इंगलिस को टेस्ट करो । समय का दौर ऐसा आया कि अपना जो रखा गया था-चाहे वह भाषा हो या रीति-रिवाज, और जो पराया था वह सिर चढ़कर बोलने लगा। अपना विक्रम संवत रख रह गया ओर ग्रेगोरी सन् वाला कैलेंडर चल निकला।

कुछ लोगों धंधा ही यही है कि अपना तो रखो,पहले पराया चखो। ससुरा अपना कहाँ जाता है भागकर। ऐसे लोगों के लिए चखना तो एक बहाना हैं- जैसे राम राम जपना और पराए माल पर नजर रखना। अब यह माल साइबर ठगी के माध्यम से आए या रात को चौरी-डकैती के माध्यम से, दिन में झपट्टा मारकर गले की चेन या मोबाइल छीनकर आए या साइबर अरेस्ट करके। कुछ लोग हैं जो इस धंधे के लिए सुबह-सुबह नहा-धोकर निकलते, कि कैसे पराया माल अपना करना है। और थके-हारे शाम को आते हैं। कुछ बारहमासी वर्क फ्रोम होम करते है। जाल फैंकते हैं और साइबर के पूल से मछलियाँ फँसाते हैं, तब जाकर पराया माल अपना होता है। इसलिए अब अपना बचाकर रखना बहुत मुश्किल होता जा रहा है।

एक बार एक साहब जो इस तरह की सोच वाले लोगों में से एक थे। उनके घर के पिछवाड़े में पड़ी खाली जगह में मूलियां उगी हुई थी। पर मजाल क्या है कि साहब पास-पडौस वालों को या स्टॉफ वालों को खिला दें। स्टॉफ वाले कह-कह करके थक गए कि साहब एक बार तो खिला दीजिए आपके घर की मूलिया। लेकिन साहब यह कहकर टालते रह कि अभी छोटी हैं। अभी और मोटी होने दो।

हां, जब एक दिन लंच में स्टॉफ वालों ने अपने स्तर पर मूलियां मंगा ली तो साहब जायका ले-लेकर,नमक लगा-लगाकर खाने में पीछे नहीं रहे। साहब के लिए पराया माल यानि मूलियां चखने और खाने का तो आनन्द और कुछ और ही था। इधर साहब मूलियों की प्रशंसा करते नहीं अघा रहे थे,उधर ऑफिस का स्टॉफ उनकी हर प्रशंसा पर दबे मुँह चुपके-चुपके मुस्करा रहा था।आखिर लंच के मंच पर बैठे साहब को डकारे आने लगी ।

शाम को साहब सीधे घर जाकर घरवाली से बोले-भाग्यवान ! पराया तो लंच में चख लिया। अब क्यों नहीं घर के पिछवाड़े में उगी मूलियाँ उखाड़कर आज मूली के परांठे बनाए जाएं, और घर की मूलियों का स्वाद चखा जाए। घरवाली चौंकी-'' यह क्या कह रहे हो आप? मूलियां तो आपके ऑफिस का चपरासी आज दिन में उखाड़ ले गया। कह रहा था-'' साहब ने लंच में स्टॉफ के लिए मंगाया है।'' साहब को अब सारा माजरा समझ में आ गया कि लंच में वे अपनी रख न सके, पराई चख न सके।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

विमेंस क्रिकेट

अनुराग तागड़े
(वरिष्ठ पत्रकार और समीक्षक)

महिला क्रिकेट में युवा खिलाड़ियों को मौका देने का समय

भारतीय महिला क्रिकेट टीम 'टी 20 वर्ल्ड कप' में बुरी तरह से हार जाती है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया में भी सीरीज हारती है। यह हार बेहद चौंकाने वाली होती है। इसके बाद बीसीसीआई हरकत में आती है और उसके पदाधिकारियों और चयनकर्ताओं को इस बात का एहसास होता है कि अब समय बदल गया। अब ऐसा समय नहीं रहा कि टीम के लिए प्रतिभाशाली महिला क्रिकेटर नहीं मिलेंगे। सीधा सा मतलब है कि अब नए खिलाड़ियों को मौका देना होगा।

अगले वनडे महिला विश्व कप को देखते हुए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्थिति बेहद खराब लग रही थी। बीसीसीआई ने वेस्टइंडीज और आयरलैंड से टूर्नामेंट का आयोजन भारत में ही किया। इन टूर्नामेंट से न केवल महिला क्रिकेटरों का आत्मविश्वास बढ़ा, बल्कि बीसीसीआई ने इस दौरान नए खिलाड़ियों को भी मौका दिया। एक बात जो की बीसीसीआई की काबिले तारीफ है कि जो खिलाड़ी ठीक से प्रदर्शन नहीं कर रहे थे उन्हें बाहर का रास्ता भी दिखाया। दरअसल, अब तक यहीं होता आ रहा था कि एक बार जो खिलाड़ी टीम के भीतर आ जाता था और एकाध बार भी अच्छा प्रदर्शन कर लेता था वह अपनी जगह टीम में पक्की समझ लेता था। इसका कारण था कि बीसीसीआई के पास विकल्प ही नहीं थे। बीसीसीआई ने शैफाली वर्मा जैसी खिलाड़ी को वनडे टीम से बाहर रखा।

क्योंकि, शैफाली का वनडे में प्रदर्शन लगातार खराब आ रहा था। वह दस-पंद्रह रन बनाकर आउट हो जाती थी, वही टी-20 में उसका प्रदर्शन ठीक था। बीसीसीआई यह जानती है कि शैफाली वर्मा खिलाड़ी बहुत शानदार है। परंतु, उसे भी अपनी बैटिंग को निखारने की जरुरत है। वही एक बात यह भी सही है कि महिला क्रिकेट में बहुत कम उम्र में राष्ट्रीय टीम में शामिल होने के तीन चार वर्ष बाद इन खिलाड़ियों को मान सम्मान और पैसा इसके साथ आगे कैसे बढ़ा जाए और अपने खेल को कैसे लगातार निखारा जाए इसे लेकर मुश्किल हो रही थी।

एक समय तो जैमिमा रौड्रिक्स जैसी खिलाड़ी को भी जगह नहीं मिल पाई थी। बाद में घरेलू क्रिकेट में उसने खूब मेहनत की और बाद में उसे टीम में शामिल किया गया। बीसीसीआई के पास यह भी बहुत बड़ा यक्ष प्रश्न था कि हरमनप्रीत कौर के बाद महिला क्रिकेट की कमान कौन संभालेगा! इस कारण स्मृति मंधाना को भी कप्तानी की जिम्मेदारी धीरे धीरे सौपी जा रही है। क्योंकि, अपना स्वयं का खेल संभालते हुए कप्तानी करना पड़ती है। वहीं अरुंधती रेड्डी, राधा यादव, स्नेह राणा ऐसी खिलाड़ी हैं, जिन्होंने पूर्व में अच्छा प्रदर्शन किया है परंतु उन्हें भी घरेलू टूर्नामेंट खेलने के लिए कहा गया।

बीसीसीआई ने वर्तमान में अपना फोकस अंडर 19 आयु वर्ग पर किया है। इस आयु वर्ग की डोमेस्टिक प्रतियोगिताएं जैसे अंडर 19 वन डे और टी-20 प्रतियोगिताओं में विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेती है। बीसीसीआई इस दौरान अच्छे खिलाड़ियों पर नजर रखती है। यही नहीं इसी दौरान डब्ल्यूपीएल की विभिन्न फ्रेंचाईजी भी इन खिलाड़ियों में से डब्ल्यूपीएल के लिए खिलाड़ियों का चुनाव करते है। बीसीसीआई प्रतिवर्ष एनसीए का झोनल कैंम्प लगाती है और उसके बाद हाई परफार्मेंस कैंम्प लगाती है। इन कैंम्प में खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधा मिलती है और देश के सर्वश्रेष्ठ कोच मिलते है जो इन्हें बारिकी से प्रशिक्षण देते है। यही कारण रहा है कि अगर मध्यप्रदेश से बात करें तब आयुशी शुक्ला, वैष्णवी शर्मा और अनादि तागड़े जैसी क्रिकेटरों का चयन भारत दक्षिण अफ्रीका त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए हुआ।

इतना ही नहीं अंडर 19 वुमेन्स टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भी इन तीनों का चयन हुआ। आयुशी और वैष्णवी शर्मा को पंद्रह में जगह मिली वही 16 वर्ष की अनादि तागड़े को स्टैंड बाय में जगह मिली। इसके बाद मध्यप्रदेश की बात करें तब इन तीनों को मप्र की सीनियर वुमेन्स टीम में भी खेलने के लिए कहा गया और तीनों ने ही बेहतरीन प्रदर्शन किया और मध्यप्रदेश की महिलाओं ने लगभग 35 वर्षों के बाद वन डे का राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया। जिसे महिलाओं का रणजी भी कहा जाता है। इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए मध्यप्रदेश की आठ लड़कियों का चयन सीनियर वुमेंन्स वन डे चैलेंजर ट्राफी के लिए भी किया गया जिसमें अनादि तागड़े सबसे छोटी थी। दरअसल बीसीसीआई ने शबनम एमडी, टीटास साधु, जैसी युवा खिलाड़ियों को भविष्य के लिए तैयार करना आरंभ किया है। कमलिनी मात्र 17 वर्ष की है परंतु इतनी शानदार बैटिंग करती है कि उसे मुंबई इंडियन्स ने 1.60 करोड़ में खरीदा है। डब्ल्यूपीएल में ऐसे ही कई चेहरे नजर आने वाले है। इरा जाधव जिन्होंने हाल ही में अंडर 19 मैच खेलते हुए रेकार्ड 346 रन बनाएं है। ऐसी कई लड़कियां है, जो प्रतिभाशाली है और अपना नाम राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए तैयार है। बीसीसीआई और एनसीए दोनों ही अब युवा महिला खिलाड़ियों को लेकर तैयारी आरंभ कर चुका है और अगले तीन से चार वर्षों में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को जरुर मिलेंगे। अब जिम्मेदारी राज्य क्रिकेट एसोसिएशंस की भी बनती है कि वे प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों को न केवल मौका दे बल्कि उन्हें भारतीय टीम में किस तरह से जगह बनाई जा सकती है और उसके लिए कौन सी बातों का ध्यान रखना होगा इसका प्रशिक्षण देना होगा। मध्यप्रदेश की बात करे तब प्रदेश में महिला क्रिकेट में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है बस खिलाड़ियों को सही दिशा दिखाने की जरुरत है।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज
लेखक स्तंभकार हैं।

आस्था का दीप असंभव को संभव सिद्ध कर देता है

इस ब्रह्मांड में ईश्वरीय सत्ता के अस्तित्व को लेकर चाहे जो धारणा हो, लेकिन यदि मन के किसी कोने में आस्था का दीप जला हुआ है, तो आत्मबल ही इतना विकसित हो जाता है कि आस्तिक और नास्तिक में कोई भेद नहीं करता। जरूरी यह है कि हमारा आत्मविश्वास इतना प्रबल हो जाए कि इसकी ऊर्जा एवं चेतना के चलते हम असंभव को संभव सिद्ध करने का सामर्थ्य विकसित कर सके। और कुछ नहीं तो विज्ञान एवं मनोविज्ञान की दृष्टि से भी यह धारणा पुष्ट होती है कि मन की तन्मयता और चित्त की एकाग्रता के चलते मनोवांछित लक्ष्य को पाया जा सकता है। एक प्रकार से संपूर्ण मनोयोग के साथ किया गया कोई भी काम कभी निष्फल नहीं जाता।

इतना जरूर है कि कर्म का तत्काल परिणाम न मिल सके, लेकिन कालांतर में पिछला प्रयास अगले प्रयास की सार्थकता का कारण बन सकता है। वर्तमान दौर में सारे संसार का जो भौतिक स्वरूप दिखाई देता है, जिसमें तमाम सुख सुविधा के भौतिक संसाधनों की भरमार है, यह उपलब्धि भी कहीं न कहीं किसी लक्ष्य को केंद्र में रखकर हांसिल की गई है। वैसे भारतीय संदर्भों में सामान्य रूप में आस्था शब्द को लेकर आस्तिकता के लगाया जाता है। लेकिन व्यापक अर्थ में आस्था ईश्वरीय सत्ता के अतिरिक्त किसी व्यक्ति या वस्तु विशेष के प्रति भी हो सकती है। इसलिए आस्था शब्द को संकुचित अर्थ में लेने के बजाय व्यापक अर्थ में लिया जाना चाहिए।

इस संदर्भ में यह उल्लेख करना समीचीन होगा कि ठेठ देहातों में झाड़फूंक और टोने टोटकों का भी बहुत प्रचलन है। हालांकि शैक्षणिक प्रचार प्रसार के साथ-साथ तमाम तरह के अंधविश्वास खंडित भी होने लगे हैं। लेकिन व्यवहार में देखा गया है कि उक्त झाड़-फूंक और टोन टोटकों के चलते संबंधित वर्ग को परम संतुष्टि का अनुभव भी होने लगता है। जरा गहराई से सोचा जाए तो इसके मूल में आदमी के अंतर्मन में अत्यंत सकारात्मक भाव उत्पन्न होना ही है। अब इसका माध्यम चाहे जो हो, लेकिन सामान्य समझ में तो यही समझा जाता है कि ऐसा तथाकथित अंधविश्वास भी आदमी के आत्मविश्वास को जागृत कर देता है।

जब हम किसी नवीन अथवा अन्य महत्वाकांक्षी कार्य को मूर्त रूप देने के लिए तत्पर होते हैं, तब प्रचलित परंपरा के अनुसार मुहूर्त निकाल कर पूजा पाठ की प्रक्रिया भी पूर्ण करते हैं। अब वैसे तो ऐसा हर कोई करता है लेकिन हर किसी के लिए एक जैसे परिणाम नहीं होते। दरअसल जो अंतर होता है उस अंतर के मूल में कहीं न कहीं किसी न किसी प्रकार की आस्था ही कम या अधिक रही होगी। जिसके चलते संपूर्ण मनोयोग के साथ प्रबल आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर हम अपने कार्य को मूर्त रूप नहीं दे पाए। वैसे भी किसी ने क्या खूब कहा है कि असफलता यह सिद्ध करती है कि सफलता के प्रयास पूरे मनोयोग से नहीं किए गए।

इसमें दो मत नहीं कि वर्तमान परिस्थितियों में विशेष रूप से भारतीय संदर्भ में ही उपरोक्त तथ्य को समझा जा सकता है। जहां तक शेष दुनिया वालों की बात है, तो शायद उन्हें अपने आत्मविश्वास को जागृत करने के निमित्त बहुत संभव है कि किसी प्रकार की आस्था का सहारा नहीं लेना पड़ता हो। या कि उनमें आस्था केवल और केवल स्वयं पर ही रहा करती हो। लेकिन एक तथ्य भी है कि प्रगति के चरम शिखर पर आकर आत्मशांति के प्रयासों में उन्हें भारतीय धर्म दर्शन पर ही आश्रित होना पड़ता है। खैर, जो भी हो लेकिन एक बात तय है कि सारी दुनिया वालों को ज्ञान के बीज तो हमारे सांस्कृतिक विरासत से ही मिले हैं।

आज विज्ञान की प्रगति जिस शीर्ष आसान पर बैठी है, वह आसन कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में हमारे धर्म ग्रंथो से ही निकल कर आया है। विज्ञान को ज्ञान का आधार उपलब्ध कराने में हमारे वेद पुराणों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। किसी समय अकल्पनीय परिणामों की प्राप्ति मंत्र से सहज संभव थी, आज यंत्र से है। माध्यम चाहे परिवर्तित हो गए हो, लेकिन परिणाम में एकरूपता सी है। कुल मिलाकर आस्था की प्रबलता अपेक्षित परिणाम की प्राप्ति में मुख्य रूप से सहायक सिद्ध होती है। एक प्रकार से आस्था एक मानसिक विश्वास है, जो क्रियारूप में रूपांतरित होकर मनोरथ की पूर्ति करने में सक्षम होता है। इसके चलते कुछ भी असंभव नहीं रह गया है।

कुल मिलाकर कुछ करने पर अपेक्षित परिणाम के प्रति अंतर्मन में ' विश्वास ' का होना अत्यंत आवश्यक है। आस्तिक होने पर हम बहुत सहजता से ईश्वरीय सत्ता पर विश्वास करते हैं। जिसके चलते हमारा अपना आत्मबल विकसित होता है। लेकिन नास्तिक होने पर भी एकाग्रचित अवस्था में अपने कार्य को मूर्त रूप देने की लगन किसी न किसी रूप में अपेक्षित परिणाम देते हए हमारे विश्वास को पुख्ता आधार देती है। इस प्रकार दोनों ही मामलों में हमारी अपनी 'आस्था ' चाहे वह ईश्वरीय सत्ता के प्रति हो या साध्य के प्रति हो, निश्चित रूप से सफलता का मुख्य कारण बना करती है। धर्म शास्त्रों के आधार पर भी मन, वचन व कर्म की संपूर्ण एकाग्रता मनोवांछित परिणाम की कारक सिद्ध होती है।

साहित्यिक सम्मान

कर्मयोगी
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

खामोशी से बहती बाल साहित्य की निर्मल धारा

बाल साहित्य के क्षेत्र में चर्चित पहचान रखने वाले नरेंद्र निर्मल को उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान ने वर्ष 2023 के लिये 'लल्ली प्रसाद पांडेय बाल साहित्य पत्रकारिता सम्मान' देने की घोषणा की। वे उन बिरले साहित्यकारों में हैं, जो हमेशा लाइमलाइट में आने से बचते हैं। पुरस्कारों की प्रतिस्पर्धा से दूर रहकर सादा जीवन बिताते हैं। लेखकों व बाल साहित्यकारों की कापी से जूझना उनकी आदत रही है। अपने काम में रत रहते हैं और खामोशी से फीचर पत्रकारिता और बाल साहित्य सेवा में लगे रहते हैं।

बाल साहित्यकार व चार दशक से अधिक समय से फीचर पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र 'निर्मल' को उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान ने वर्ष 2023 के लिये 'लल्ली प्रसाद पांडेय बाल साहित्य पत्रकारिता सम्मान' देने की घोषणा की है। पिछले चार दशक से बाल साहित्य संवर्धन कर रहे नरेंद्र निर्मल एक बड़े समाचार पत्र समूह में पिछले डेढ़ दशक से फीचर संपादक हैं। उन्होंने बाल साहित्यकार और फीचर पत्रकार के रूप में दोहरी भूमिका के साथ न्याय किया है। नरेंद्र निर्मल को इस पुरस्कार का मिलने पर कहा जा सकता है 'देर आयद दुरुस्त आयद।' अच्छा होता यदि उन्हें यह पुरस्कार कुछ दशक पूर्व मिल जाता। तो फिर ऐसे उत्साहवर्धन से हमें और अच्छा बाल साहित्य पढ़ने को मिलता।

वे उस मूल रूप से उस लखनऊ के रहने वाले हैं, जहां से भारत के सबसे बड़े प्रदेश की सत्ता ही संचालित नहीं होती, बल्कि तमाम साहित्य के पुरस्कार का निर्धारण होता रहा है। उनके पर्याप्त संपर्क सूत्र भी रहे हैं। उनसे अकसर कहा भी गया कि वे बाल साहित्य पुरस्कार के लिए आवेदन करें। लेकिन, उन्होंने कभी किसी ऐसे पुरस्कार के लिये आवेदन ही नहीं किया। यह एक टकसाली सत्य है कि सिर्फ साहित्य के ही सहारे धर परिवार नहीं चलता। सो उन्होंने अपना पूरा जीवन बाल साहित्य की पत्रकारिता में खपाया। बिना किसी जोड़तोड के ऋषि कर्म जैसी पत्रकारिता में रत रहे। लंबे समय तक फिल्मी पत्रकारिता से जुड़े पेज भी संपादित करते रहे। लंबे समय तक तमाम फिल्मी हीरो-हीरोइन उनके संपर्क में रहे। लेकिन कभी किसी पीआरओ को न तरजीह दी न किसी तरह का लाभ उठाया। बल्कि, पत्रकारिता का समर्पण इस हद तक था कि उन्होंने अपनी सेहत तक की परवाह नहीं की।

उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान की निदेशक डॉ अमिता दुबे के अनुसार बाल साहित्य संवर्धन योजना के तहत इस पुरस्कार में उन्हें 51 हजार की धनराशि, अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। पिछले चार दशक से पत्रकारिता में सक्रिय निर्मल ने मनोरमा, अमर उजाला, दैनिक जागरण व हरिभूमि में फीचर संपादन को नए आयाम प्रदान किए। इलाहाबाद, मेरठ, नोएडा, रायपुर व दिल्ली आदि शहरों में बाल साहित्य का संपादन कर्म को साधना भाव से करने वाले नरेंद्र निर्मल की पहली बाल कहानी आठ साल की उम्र में प्रकाशित हुई थी। बाल साहित्य के प्रति जुनून के चलते उन्होंने कॉलेज के दिनों में एक पाक्षिक समाचार पत्र 'द चिल्ड्रन टाइम्स' निकाला। पढ़ाई के दौरान जेब खर्च के बूते ऐसी कोशिश करना निस्संदेह बाल साहित्य के प्रति जुनून का ही परिचायक था।

हालांकि, यह प्रयोग ज्यादा दिन नहीं चला, मगर बाल साहित्य के प्रति उनके जुनून का पता तो चला ही। फिर एक दशक तक 'अमर उजाला' में बाल साहित्य केंद्रित 'बाल जगत' का संपादन किया। देश के नामी बाल साहित्यकारों से रचना मंगवाना और नवोदित रचनाकारों की कॉपी को सजाना-संवारना दशकों तक जारी रहा। कालांतर लंबे समय तक सोलह पेज की बाल साहित्य केंद्रित बाल पत्रिका 'बाल भूमि' का संपादन किया। जो बाल पाठकों में खासी लोकप्रिय भी रही। कोविड के बाद की स्थितियों का पत्रिका के

स्वरूप पर खासा नकारात्मक असर पड़ा। उनकी रचनाएं पाठ्यक्रम का भी हिस्सा रही हैं। उन्होंने सामान्य कहानियां भी लिखी। लेकिन, उन कहानियों के केंद्रीय पात्र भी बच्चे ही रहे हैं। समाज के वंचित व परिस्थितियों के मारे उनकी कहानियों के कथानक का हिस्सा रहे। वे लगातार दूरदर्शन व आकाशवाणी पर भी नियमित कहानियां प्रस्तुत करते रहे हैं।

बाल साहित्य का संपादन करने वाले पत्रकार की विडंबना यह रहती है कि पूरा समय दूसरे बाल साहित्यकारों व आम लेखकों की रचनाओं को संपादित करने व सजाने-संवारने में लग जाता है।

कमोबेश यही स्थिति नरेंद्र निर्मल की भी रही। यदि निर्मल विशुद्ध बाल साहित्यकार की भूमिका में होते तो निश्चित रूप से बाल पाठकों के लिये कुछ कालजयी रच पाते। आज विडंबना यह है कि बाल साहित्य के नाम पर ऐसा सतही साहित्य रचा जा है जिसे बच्चे तो क्या बड़े भी न समझ पाएं। फिर तकनीक की उन्नति और प्रिंटिंग सुविधा के चलते ऐसी किताबों की भरमार बाजार में जो सही मायनों में बाल साहित्य की कसौटी पर खरी नहीं उतरती। लेकिन, पुरस्कार प्रबंधन में ऐसे ही लोग बाजी मारते रहे हैं। सही मायनों में हम नई पीढ़ी के बदलते रुझान के अनुरूप बाल साहित्य दे पाने मे चुके हैं। यही वजह है कि योग्यता व क्षमता के बावजूद निर्मल पुस्तक छापने की होड़ व पुरस्कारों की दौड़ से दूर ही रहे।

फिलहाल नरेंद्र निर्मल एक बड़े अखबार समूह में फीचर संपादक हैं। बाल साहित्य में उनकी एक खास पहचान रही है। कहानियां, कविताएं लिखते रहते हैं। लाइमलाइट में आने से बचते रहे हैं। चमक-दमक से दूर रहकर सीधा-सादा जीवन बिताते हैं। लेखकों व बाल साहित्यकारों की कापी से जूझना उनकी आदत रही है। अपने काम में रत रहते हैं वे खामोशी से फीचर पत्रकारिता और बाल साहित्य सेवा में लगे रहे हैं। फीचर संपादन की विषयवस्तु और कलेवर में उनकी स्पष्ट छाप आज भी नजर आती है। यही वजह कि वे अब अपनी एक्स्ट्रा पारी खेल रहे हैं। संपादन का कार्य उनके लिये ऋषि कर्म जैसा रहा है। वे ऐसे अनेक पुरस्कारों के हकदार हैं।

॥ मंदिरम् ॥

11

कृष्णाबाई मंदिर, महाबलेश्वर

महाबलेश्वर मंदिर से 300 मीटर और महाबलेश्वर बस स्टैंड से 6 किमी की दूरी पर, कृष्णाबाई मंदिर एक पुराना मंदिर है जो पुराने महाबलेश्वर में पंच गंगा मंदिर से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। यह महाबलेश्वर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है। कृष्णाबाई मंदिर को कृष्णा नदी का स्रोत माना जाता है। मंदिर का निर्माण 1888 में रत्नागिरी के एक शासक ने कृष्णा घाटी के ऊपर एक पहाड़ी की चोटी पर करवाया था। मंदिर में एक शिवलिंग और देवी कृष्ण की एक सुंदर मूर्ति है। गाय के चेहरे (गोमुख) से बहने वाली नदी की एक छोटी सी धारा एक कुंड या पानी की टंकी में गिरती है जो शक्तिशाली कृष्णा नदी का स्रोत है। पत्थर की नक्काशीदार स्तंभ और छत इस मंदिर की विशेष विशेषताएं हैं।

जापान बनेगा ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का कंट्री पार्टनर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

• मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में निवेश आकर्षित करने जाएंगे जापान • निवेश प्रोत्साहन के लिए 11 विभागों की 21 नीतियों पर कार्य जारी

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर के 300वें जयंती वर्ष में प्रवेश पर उनको समर्पित मंत्रि-परिषद की अगली बैठक 24 जनवरी को महेश्वर में होगी। ग्वालियर मेला और विक्रमोत्सव उज्जैन में मोटरयान करों में छूट के आदेश जारी कर दिए गए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ज्ञान (गरीब-युवा-अन्नदाता और नारी शक्ति) पर ध्यान के ध्येय वाक्य के क्रियान्वयन के अंतर्गत प्रदेश में आरंभ स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन की बधाई देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शीघ्र ही गरीब कल्याण मिशन का क्रियान्वयन भी प्रदेश में आरंभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रि-परिषद की बैठक के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों और निवेश प्रोत्साहन की दिशा में अगली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव शहडोल में होने जा रही है। भोपाल में 24-25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में जापान भी कंट्री पार्टनर के रूप में भाग लेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रदेश में निवेश आकर्षित करने के लिए 27 जनवरी से 1 फरवरी तक जापान यात्रा प्रस्तावित है।

शहरी गैस वितरण के लिए बन रही है विशेष नीति: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 11 विभागों को, ग्लोबल इन्वेस्टर समिट से पहले, अपनी निवेश नीतियों को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अंतर्गत 21 निवेश नीतियों पर कार्य जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश निवेश प्रोत्साहन नीति 2025, एमपी लॉजिस्टिक्स नीति, मध्यप्रदेश निर्यात संवर्धन एवं ओडीओपी नीति 2025 तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के अंतर्गत प्रदेश में एमएसएमई विकास नीति 2025, एमपी एमएसएमई भूमि विकास आवंटन नीति 2025 और एमपी स्टार्टअप नीति पर कार्य जारी है। इसी प्रकार नवकरणीय ऊर्जा के लिए एमपी पंप हाइड्रोस्टोरेज नीति 2025, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण के अंतर्गत मध्यप्रदेश जैव ईंधन संवर्धन नीति 2025 और एमपी शहरी गैस वितरण नीति 2024 को भी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट से पहले तैयार कर लिया जाएगा।

सेमीकंडक्टर, ड्रोन प्रमोशन, फिल्म पर्यटन पर नीति से त्वरित रूप से होंगे निर्णय: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एमपी ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर नीति-2025, एमपी एवीजीएस-एक्सआर नीति-2024, मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर नीति-2025 और एमपी ड्रोन प्रमोशन नीति-2025, विमानन विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश विमानन नीति-2025, वन विभाग के तहत सीएसआर/सीईआर और गैर सरकारी नीतियों का उपयोग करते हुए मध्यप्रदेश वृक्षारोपण नीति-2025, नगरीय आवास एवं विकास तथा लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत लैण्ड पूल नीति-2025, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के तहत संवर्धित अस्पतालों के साथ मेडिकल कॉलेजों का पीपीपी मोड पर निर्माण एवं संचालन नीति-2025, पर्यटन विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश पर्यटन निवेश नीति-2025 और मध्यप्रदेश फिल्म पर्यटन नीति-2025, जल संसाधन एवं नर्मदा घाटी विकास विभाग के अंतर्गत दबावयुक्त पाईप सिंचाई प्रणाली के पीपीपी मोड पर संचालन और रख-रखाव नीति-2025 को प्राथमिकता पर तैयार किया जा रहा है। इससे ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के समय निवेश प्रस्तावों पर त्वरित रूप से निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

सतना बनेगा म.प्र.का सातवां एयरपोर्ट

फरवरी से होगा ऑपरेशनल, सीमेंट इंडस्ट्री और पर्यटन को मिलेगा बूस्ट

भोपाल/मैहर (नप्र)। मध्यप्रदेश को 1 साल के अंदर एक और एयरपोर्ट मिलेगा। 3 महीने पहले रीवा एयरपोर्ट की शुरुआत के बाद अब सतना एयरपोर्ट भी बनकर तैयार है। एयरपोर्ट 30 करोड़ रुपए की लागत से बना है। एयरपोर्ट से उड़ान संचालन की शुरुआत पीएम श्री वायु सेवा से होगी।

एयरपोर्ट का उद्घाटन केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू करेंगे। उनसे समय मांगा गया है। तारीख मिलते ही प्रदेश के सातवें एयरपोर्ट सतना से भी फ्लाइट टेक ऑफ और लैंड हो सकेगी। उम्मीद है कि फरवरी से फ्लाइट उड़ान भरना शुरू कर देगी। यहां से 19 सीटर कॉमर्शियल फ्लाइट उड़ान भर सकेगी।

एक साल में बनकर तैयार हुआ

सतना एयरपोर्ट करीब एक साल में बनकर तैयार हुआ है। पिछले महीने डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) की टीम ने एयरपोर्ट का निरीक्षण भी किया था। इसके बाद डीजीसीए ने लाइसेंस भी दे दिया। अब संचालन शुरू होगा।

सतना से एयर कनेक्टिविटी बढ़ेगी

क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस एयरपोर्ट का निर्माण किया गया है। नई पहल से टूरिस्ट सतना और इसके आसपास के प्रसिद्ध टूरिस्ट स्पॉट तक आसानी से पहुंच सकेंगे। इसके लिए यहां सबसे पहले पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा की शुरुआत होगी।

प्रदेश में जनवरी में तीसरी बार गिरेगा मावठा

ग्वालियर-चंबल अंचल में बारिश का अलर्ट; भोपाल में छाए बादल

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में जनवरी में तीसरी बार मावठा गिरेगा। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटे में ग्वालियर, भिंड, शिवपुरी और दतिया में बारिश होने का अनुमान जताया है। यहां हल्की बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। वहीं, श्योपुर और मुरैना में आंधी चल सकती है। इधर, बुधवार को सुबह सतना, रीवा, मैहर, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली समेत 34 जिलों में कोहरा छाया रहा। भोपाल में सुबह से बादल छाए हुए थे।

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 2 दिन भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत एमपी के आधे हिस्से में बारिश होने का अलर्ट है। 17 जनवरी से तेज ठंड का दौर फिर शुरू हो जाएगा। बारिश के दौरान गरज-चमक की स्थिति भी बन सकती है।

मौसम वैज्ञानिक प्रकाश धामले ने बताया, 15 और 16 जनवरी को वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की एक्टिविटी का असर प्रदेश के पश्चिमी और उत्तरी हिस्से में देखने को मिलेगा। सिस्टम जैसे ही गुजरेगा, प्रदेश में ठंड का असर फिर से बढ़ जाएगा।

18 जनवरी से एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा। इसके बाद बर्फीली हवा की रफ्तार बढ़ जाएगी और पूरा प्रदेश ठिठुर जाएगा। इससे पहले मंगलवार को 203 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से जेट स्ट्रीम हवा चली।

शहडोल जिले में दो दिन स्कूलों में छुट्टी

शहडोल में गिरते तापमान को देखते हुए जिला प्रशासन ने आज और कल 16 जनवरी को नर्सरी से 8वीं क्लास तक के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छुट्टी घोषित की है। जिला शिक्षा अधिकारी एमएल पाठक ने कहा है कि इस दौरान शिक्षकों को स्कूल में मौजूद रहकर अपना काम करना होगा। 9वीं से 12वीं तक की कक्षाएं सामान्य रूप से चलेंगी।

अगले 2 दिन ऐसा रहेगा मौसम

16 जनवरी- भोपाल, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, निवाड़ी, रीवा, मऊगंज, छतरपुर, पन्ना, कटनी, दमोह, सागर, विदिशा, रायसेन, सीहोर, बैतूल, छिंदवाड़ा में हल्की बारिश हो सकती है।

17 जनवरी- इस दिन मौसम साफ रहने का अनुमान है। वहीं, ठंड का असर भी बना रहेगा।

रात का पारा फिर लुढ़का, सुबह कोहरा

मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार-मंगलवार की रात भोपाल समेत कई शहरों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। भोपाल में 5.4 डिग्री सेल्सियस, जबलपुर में 6.6 डिग्री, ग्वालियर में 8.4 डिग्री, उज्जैन में 8.5 डिग्री और इंदौर में 9.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। सबसे ठंडा सीहोर रहा। यहां टेम्प्रेचर 3.2 डिग्री सेल्सियस रहा। शाजापुर के पास गिरवर में 3.9 डिग्री, राजगढ़ में 4.6 डिग्री, पचमढ़ी में 4.7 डिग्री, नौगांव-कल्याणपुर में पारा 5 डिग्री रहा। अन्य शहरों में भी पारे में गिरावट देखने को मिली। सतना, मैहर, रीवा, सीधी, सिंगरौली, राजगढ़, पन्ना, छतरपुर, ग्वालियर, रायसेन, दमोह, भोपाल, मंडला, उमरिया और पचमढ़ी में कोहरा भी रहा।

शहडोल में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

औद्योगिक क्षेत्र की अपार संभावनाओं की भूमि है शहडोल : मुख्यमंत्री

- सहयोग और साझेदारी के साथ मिलेगा क्षेत्रीय उद्योगों को बढ़ावा
- उद्योगपतियों के साथ होगा नीति संवाद

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शहडोल औद्योगिक क्षेत्र की अपार संभावनाओं की भूमि है। सहयोग और साझेदारी के साथ क्षेत्रीय उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये 16 जनवरी को यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी शहडोल में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होने वाला है। इसमें उद्योगपतियों और निवेशकों के साथ नीति संवाद और नवाचार साझा किये जायेंगे। कॉन्क्लेव में 4 हजार से अधिक प्रतिभागी और 2 हजार से अधिक उद्योगपति शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कॉन्क्लेव में 28 औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करेंगे। इन इकाइयों में 570 करोड़ रूपये का निवेश और 2600 रोजगार का सृजन होगा। कॉन्क्लेव में टोरेंट पॉवर द्वारा 1600 मेगावाट थर्मल प्लांट के लिए 18 हजार करोड़ रूपये का निवेश संभावित है। कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव देश के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन चर्चा करेंगे। साथ ही निवेशकों के साथ 3 सेक्टोरल सत्र भी होंगे। कॉन्क्लेव के शुभारंभ सत्र में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन मध्यप्रदेश के उद्योग दृष्टिकोण पर प्रकाश डालेंगे और उद्योग विभाग की एक साल की उपलब्धियों पर फिल्म का प्रदर्शन होगा।

अधिकारियों द्वारा प्रेजेन्टेशन: प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन और एमएसएमई श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह प्रदेश में निवेश के अवसरों, अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के अवसरों, अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम में अवसरों, प्रमुख सचिव खनिज संसाधन श्री उमाकांत उमराव खनन एवं खनिज क्षेत्र में अवसरों और प्रमुख सचिव पर्यटन श्री शिव शेखर शुक्ला पर्यटन क्षेत्र में अवसरों का प्रस्तुतिकरण देंगे।

महाकुंभ में मॉडल को रथ पर बैठाने पर भड़के संत

कहा- धर्म को प्रदर्शन का हिस्सा बनाना खतरनाक, परिणाम भुगतने होंगे

प्रयागराज (नप्र)। प्रयागराज महाकुंभ में पेशवाई के दौरान मॉडल को रथ पर बैठाने को लेकर विवाद छिड़ गया है। शांभवी पीठाधीश्वर स्वामी आनंद स्वरूप महाराज ने कहा- यह उचित नहीं है। इससे समाज में गलत संदेश फैलता है। धर्म को प्रदर्शन का हिस्सा बनाना खतरनाक है। साधु-संतों को इससे बचना चाहिए, नहीं तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

दरअसल, 4 जनवरी को महाकुंभ के लिए निरंजनी अखाड़े की पेशवाई निकली थी। उस वक्त 30 साल की मॉडल हर्षा रिछारिया संतों के साथ रथ पर बैठी नजर आई थीं। स्वामी आनंद स्वरूप महाराज ने कहा- संतों को दिखावा नहीं करना चाहिए।

मैंने सुकून की तलाश मे यह जीवन चुना: पेशवाई के दौरान हर्षा रिछारिया से पत्रकारों ने साध्वी बनने पर सवाल किया था। इस पर हर्षा ने बताया था कि मैंने सुकून की तलाश में यह जीवन चुना है। मैंने वह सब छोड़ दिया, जो मुझे आकर्षित करता था।

फिजिकल एकेडमी की बस को डम्पर ने टक्कर मारी

इंदौर से महाकाल दर्शन करने आए 17 स्टूडेंट घायल, गुस्साई भीड़ ने किया पथराव

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में बुधवार दोपहर महाकाल दर्शन करने के लिए आए फिजिकल एकेडमी के स्टूडेंट्स से भरी बस को डम्पर ने टक्कर मार दी। हादसे में बस में सवार 17 से अधिक स्टूडेंट्स घायल हुए हैं।

घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने डम्पर पर पथराव कर दिया। जिससे डम्पर के कांच फूट गए। इंदौर से बच्चों को लेकर आए चेतन चौरसिया ने बताया, आर्मी में सिलेक्शन के लिए विशेष ट्रेनिंग देने वाली संस्था फिजिकल एकेडमी के स्टूडेंट्स उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में दर्शन करने पहुंचे थे। इस दौरान चिंतामन रोड के पास सामने से आ रहा डम्पर ब्रेक फेल होने के कारण बस से जा भिड़ा। जिससे बस में बैठे स्टूडेंट्स घायल हो गए। हादसे के बाद घटना स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। सभी घायलों को उज्जैन के चरक अस्पताल में भर्ती कराय गया है। डाक्टरों ने बताया कि किसी भी स्टूडेंट को गंभीर चोट नहीं आई है।

म.प्र.में हाईकोर्ट के 1 जज पर 14 हजार मामलों का बोझ

• 4 लाख से ज्यादा केस पेंडिंग ; इस साल सीजे समेत 8 जजों की रिटायरमेंट

जबलपुर (नप्र)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में लगातार बढ़ते मामलों और जजों की कमी का प्रभाव साफ देखा जा रहा है। वर्तमान में हाईकोर्ट में लगभग 4 लाख 62 हजार मामले पेंडिंग हैं। वहीं, न्यायाधीशों के कुल 53 स्वीकृत पदों में से केवल 33 जज ही कार्यरत हैं। 20 पद अभी भी खाली है। ऐसे में न्यायाधीशों पर प्रकरणों के निपटारे का भारी दबाव है।इसके अलावा, 2025 में चीफ जस्टिस के साथ 8 जस्टिस रिटायर हो रहे हैं।

एक जज पर औसतन 14 हजार मामले: मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की मुख्य पीठ जबलपुर सहित तीनों पीठों में कुल 4 लाख 62,000 हजार से ज्यादा मामले पेंडिंग हैं। न्यायाधीशों की कमी के कारण एक जज पर औसतन 14,000 मामलों का बोझ है। पेंडिंग मामलों की बढ़ती संख्या का एक मुख्य कारण न्यायाधीशों के रिक्त पद हैं। हालांकि, नए साल में नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की उम्मीद जताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, हाई कोर्ट कॉलेजियम ने वकीलों के कुछ नाम सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को भेजे हैं। सुप्रीम कोर्ट की स्वीकृति के बाद ये नाम राष्ट्पति को भेजे जाएंगे। कुछ समय पहले मध्य प्रदेश हाई कोर्ट बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात कर न्यायाधीशों के रिक्त पदों को भरने की मांग की थी। वहीं, पिछले वर्ष सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा भेजे गए कुछ नाम अब भी कानून विभाग के पास लंबित हैं।

शादी के लिए प्रपोज किया, इनकार करते ही गोली मारी

टीकमगढ़ में प्रेमिका 20 मिनट खून से लथपथ कुर्सी पर बैठी रही, दिल्ली रेफर

टीकमगढ़ (नप्र)। टीकमगढ़ में रेस्टोरेंट में युवक ने प्रेमिका को गोली मार दी। मंगलवार को हुई इस वारदात के दो वीडियो बुधवार को सामने आए है। बताया जा रहा है कि युवक ने सिंदूर लेकर उसे शादी के लिए प्रपोज किया था। उसके इनकार करते ही सीने में गोली दाग दी। प्रेमिका सीने पर हाथ रखकर खून से लथपथ कुर्सी पर 20 मिनट तक बैठी रही। घायल हालत में उसे पहले झांसी ले जाया गया। वहां से रात में दिल्ली रेफर कर दिया है। पुलिस ने आरोपी को मंगलवार को ही गिरफ्तार कर लिया था।

खाने के दौरान दोनों में हुई थी बहस

24 वर्षीय युवती सिविल लाइन रोड स्थित रेस्टोरेंट में मंगलवार करीब ढाई बजे कपिल तिवारी के साथ बैठी थी। वह चाउमीन लेकर आने की बात कहकर घर से

निकली थी। बातचीत के दौरान उनकी बहस हुई। कपिल ने फायर कर दिया। रेस्टोरेंट में मौजूद लोगों ने आरोपी को धक्का देकर बाहर निकाल दिया। इसके बाद पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने देसी कट्टा जब्त कर उसे हिरासत में ले लिया।

गोली सीने से खिसककर पेट में पहुंची

युवती को गंभीर हालत में पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे झांसी रेफर किया गया। झांसी के डॉक्टर सचिन ने बताया कि सीने में लगी गोली खिसककर पेट में पहुंच गई है। युवती को बेहतर इलाज के लिए दिल्ली के गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आरोपी ने 4 साल पहले खरीदा था अवैध कट्टा

कोतवाली थाना प्रभारी पंकज शर्मा ने कहा कि आरोपी से अवैध कट्टे के सोर्स के बारे में पूछताछ की जा रही है। आरोपी ने बताया कि उसने करीब 4 साल पहले यह अवैध कट्टा खरीदा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाई की मोबाइल दुकान पर बैठता था आरोपी

आरोपी कपिल तिवारी सामान्य किसान परिवार का है। उसके पिता राजाराम तिवारी खेती किसानी करते हैं। परिवार में माता-पिता के अलावा एक बड़ा भाई और एक बड़ी बहन है। दोनों की शादी हो चुकी है। बड़े भाई केतन की टीकमगढ़ बस स्टैंड के पास मोबाइल की दुकान है। कपिल भाई की मोबाइल दुकान पर ही बैठता था। एसडीओपी राहुल कटरे बताया कि लड़की पर गोली चलाने वाले कपिल तिवारी का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला गया है। फिलहाल उसका कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है। आसपास के थानों में भी इस बारे में पता लगाया जा रहा है। पूछताछ में उसने गुस्से के कारण गोली मारने की घटना स्वीकार की है।

एम्स में मकर संक्रांति के पावन पर्व पर स्वर्ण प्राशन का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के आयुष विभाग द्वारा कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के निर्देशन में आयुर्वेद ओ.पी.डी. में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर स्वर्ण प्राशन का आयोजन किया गया। स्वर्ण प्राशन की शुरुआत वर्ष 2022 में पुष्य नक्षत्र के दिन हुई थी, और अक्टूबर 2024 में इस पहल को दो वर्ष पूरे हुए। प्रत्येक माह के पुष्य नक्षत्र के दिन बच्चों के लिए स्वर्ण प्राशन का आयोजन किया जा रहा है। 14 जनवरी 2025 को आयोजित इस कार्यक्रम में 1 वर्ष से 16 वर्ष तक के 130 बच्चों ने भाग लिया, जिनमें से 69 बच्चे पूर्व में स्वर्ण प्राशन करा चुके थे और 61 बच्चों ने पहली बार रजिस्ट्रेशन कराया। कार्यक्रम के दौरान आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. रंजना पांडे ने बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया तथा उनके अभिभावकों को स्वर्ण प्राशन के महत्व और बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया।

इस अवसर पर एक चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आयुर्वेद तथा मकर संक्रांति से संबंधित विभिन्न विषयों पर चित्र बनाए। कार्यक्रम में बच्चों को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए योग भी कराया गया। इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहा, स्वर्ण प्राशन संस्कार एक महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक प्रक्रिया है, जो बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक है। एम्स भोपाल में इस पहल के माध्यम से हम बच्चों के स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के लिए प्रयासरत हैं। यह कार्यक्रम आयुष विभाग के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। एम्स भोपाल का आयुष विभाग पिछले दो वर्षों से निःशुल्क स्वर्ण प्राशन संस्कार का आयोजन कर रहा है।

आयुष्मान भारत योजना के हितग्राहियों को सुगम तरीके से हितलाभ करें सुनिश्चितः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिए हैं कि आयुष्मान भारत योजना के हितग्राहियों को सुगम तरीके से हितलाभ सुनिश्चित किया जाये। उन्हें अनावश्यक तकलीफ़ों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करती है और यह एक वरदान है। इसके विधिवत् क्रियान्वयन के लिए सतत निगरानी रखें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने उप स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के उन्नयन और सशक्तीकरण कार्यों की समीक्षा की और समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। सीईओ आयुष्मान भारत योजना और संचालक (प्रोजेक्ट) स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग डॉ. योगेश भरसट ने उप मुख्यमंत्री को अद्यतन स्थिति से अवगत कराया।

वरिष्ठ नागरिकों के वयवंदना कार्ड की प्रगति में मध्यप्रदेश शीर्ष पर – उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में अब तक 4 करोड़ 20 लाख हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं और 38 लाख से अधिक उपचार सेवाओं से हितग्राही लाभान्वित हुए हैं। वहीं, 70 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड (वयवंदना कार्ड) की प्रगति में मध्यप्रदेश शीर्ष पर है। अब तक मध्यप्रदेश में 12,11,527 वयवंदना कार्ड वितरित किए गए हैं। उज्जैन जिले में 68,573, इंदौर में 65,505, बालाघाट में 50,405, राजगढ़ में 44,560 और छिंदवाड़ा में 41,687 कार्ड वितरित किए गए हैं।

राजस्व अधिकारियों ने खत्म की हड़ताल

मंत्री के बयान के विरोध में लिया था तीन दिवसीय सामूहिक अवकाश

बैतूल। मध्य प्रदेश राजस्व अधिकारी (कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा) संघ द्वारा तीन दिवसीय सामूहिक अवकाश के बाद 15 जनवरी को हड़ताल समाप्त कर दी गई है। अधिकारियों द्वारा इसकी सूचना कलेक्टर को दे दी गई है। अधिकारियों ने अपने-अपने कार्यस्थलों पर लौटकर सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में जुटने का निर्णय लिया है। यह हड़ताल राजस्व मंत्री द्वारा की गई अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में की गई थी, जिसने पूरे संवर्ग को आहत किया था। राजस्व अधिकारियों ने मंत्री द्वारा महिला अधिकारी के प्रति की गई अमर्यादित टिप्पणी को अशोभनीय और निंदनीय करार दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा आचरण महिला अधिकारी का अपमान के साथ पूरे राजस्व संवर्ग का मनोबल गिराने वाला है। अधिकारियों का कहना है कि महिलाओं के प्रति असम्मानजनक व्यवहार करने वाले व्यक्ति को मंत्री जैसे गरिमामय पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस मामले में सख्त कार्रवाई कर ऐसे बयान देने वालों के खिलाफ उदाहरण प्रस्तुत किया जाए। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि सकारात्मक संवाद के बाद उन्होंने हड़ताल खत्म करने का निर्णय लिया। अधिकारियों ने कहा कि सरकार की योजनाओं को सफल बनाना उनकी प्राथमिकता है, लेकिन किसी भी अधिकारी का सार्वजनिक मंच पर अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तीन दिन तक चले इस सामूहिक अवकाश के दौरान अधिकारी शासकीय वाट्सअप ग्रुप से हट गए थे और किसी भी सरकारी कार्य में हिस्सा नहीं लिया था। हालांकि, हड़ताल के दौरान भी उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उनकी नाराजगी केवल मंत्री के बयान को लेकर थी, सरकार की योजनाओं और आम जनता की सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता में कोई कमी नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए उचित कदम उठाए जाए। हड़ताल खत्म होने के बाद अब सभी अधिकारी फिर से अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जनता और सरकार की योजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए संवर्ग ने अपनी पूरी ऊर्जा लगाने का आश्वासन दिया है।

थाना बागसेवनिया ने किया लगातार एक सप्ताह में दूसरी नकबजनी का खुलासा

बागसेवनिया पुलिस को मिली सफलता

भोपाल। शहर में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण हेतु पुलिस आयुक्त भोपाल श्री हरिनारायणाचारी मिश्र एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भोपाल श्री अवधेश कुमार गोस्वामी के दिशा निर्देशों पर पुलिस उपायुक्त डॉ संजय कुमार अग्रवाल, अति. पुलिस उपायुक्त एम.एस.मुजाल्दे एंव सहायक पुलिस आयुक्त डॉ रजनीश कश्यप द्वारा के मार्गदर्शन में नकब्जनी का खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

कार्यवाही का विवरण – दौराने विवेचना घटना स्थल का निरीक्षण किया गया घटना स्थल के आसपास के लगे सीसीटीवी कैमरो का बारीकी से निरीक्षण किया गया एवं तलाश हेतु सिटी कंट्रोल रूम के जरिये समस्त थानो को एवं आसपास के जिलो मे प्रसारण कराया गया। पृथक- पृथक पुलिस टीम बनाकर आरोपियान एवं माल मशरुका की तलाश कराई गई लगातार टीम द्वारा तलाश हेतु हर संभव प्रयास एवं तकनीकी साक्ष्य व मुखबिर की सूचना पर थाना बागसेवनिया के अपराध क्र . 688/24 धारा 331(4),62,305 (ए), 317(2) बीएनएस मे पूछताछ किया गया तो जुर्म स्वीकार किया बाद आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस अभिरक्षा में थाने ले कर दौराने पूछताछ पर थाने के अन्य अपराध क्र . 425/24 धारा 331(4),305() ब्नहस में जुर्म करना स्वीकार किया और चोरी का मशरूका आरोपी से जप्त किया गया एवं अपराध क्र . 688/24 चोरी गये आभूषण गजराज उर्फ गज्जू नामदेव निवासी मल्टी नं. 83 एस-01,12 नंबर स्टाप थाना हबीबगंज को बेचना बताया जो गजराज उर्फ गज्जू को थाना लाकर पूछताछ किया गयाद्य जिसने आभूषण खरीदना स्वीकार किया बाद आभूषण जप्त किया गया ।

घटना का संक्षिप्त विवरण – साकेत नगर नाले के पास सूने मकान का बांउड्री को कूद कर घर का ताला तोडकर घर मे प्रवेश किया व मकान के बेटरूम में लगे दरवाजे मे लाक लगा होने से बेडरूम का लॉक तोडकर बेडरूम पर रखी आलमारी को खोलकर 01 सोने का पेन्डल, सोने की 31गुरिया, 04 जोड चॉदी के पायल, 01 चॉदी की चैन, 02 चॉदी के लेडीज कमर चाबी, 02 चॉदी के बिछिया।

भेल संगम कालोनी के सूने मकान का खिडकी के ग्रिल को तोडकर घर के अन्दर प्रवेश कर बेड रूम मे रखे आलमारी से 01 सोने की हाय, 09 जोड चॉदी के पायल, 21 जोड चॉदी की बीछिया 02 चॉदी के कडा ।

तारीका वारदात – आरोपी सूने मकानो की रैकी कर दिन के समय सूना स्थान देख कर वहा पर छिपा रहता था सूनसान होने पर घर में प्रवेश कर लोहे के राड या शरिया के तुकडो से ताला तोडकर घरो के अंदर जाकर चोरी करता था ।

बरामद - मशरुका – 01 सोने का पेन्डल, सोने की 31गुरिया, 04 जोड चॉदी के पायल, 01 चॉदी की चैन, 02 चॉदी के लेडीज कमर चाबी, 02 चॉदी के बिछिया, 01 सोने की हाय, 09 जोड चॉदी के पायल, 21 जोड चॉदी की बीछिया 02 चॉदी के कडा । कुल कीमती लगभग 1,40,000/- लाख रूपये

गिरफ्तार आरोपी

1. नवीन सोलंकी उर्फ अभिषेक पिता स्व. हुकुम सिंह सोलंकी उम्र 24 साल निवासी बीडीए मल्टी 12 नंबर थाना हबीबगंज भोपाल

क्र.	अप क्र.	धारा	थाना
1.	625/2011	457,380 भादवि	बागसेवनिया
2.	74/2016	457,380 भादवि	बागसेवनिया
3.	655/2018	25 आर्म्स एक्ट	हबीबगंज
4	98/2019	25 आर्म्स एक्ट	शाहपुरा
5	86/2020	457,380 भादवि	शाहपुरा
6	1022/22	25 आर्म्स एक्ट	हबीबगंज
7	619/2021	457,380 भादवि	बागसेवनिया
8	625/2021	457,380 भादवि	बागसेवनिया
9	13/2023	457,380 भादवि	शाहपुरा
10	34/2023	454,380 भादवि	बागसेवनिया
11	38/2023	454,380 भादवि	बागसेवनिया
12	51/2023	454,380 भादवि	बागसेवनिया
13	81/2023	457,380 भादवि	हबीबगंज
14	570/2023	25 आर्म्स एक्ट	शाहपुरा

2. गजराज उर्फ गज्जू नामदेव पिता अन्नू नामदेव उम्र 35 साल निवासी मल्टी नं. 83 एस–01,12 नंबर स्टाप थाना हबीबगंज भोपाल

1.	737/2011	294,323,506,34 भादवि	हबीबगंज
2.	693/2012	457,380 भादवि	हबीबगंज
3.	329/2012	454,380 भादवि	शाहपुरा
4	510/2015	25 आर्म्स एक्ट	हबीबगंज
5	817/2016	13 जुआ एक्ट	हबीबगंज
6	430/2017	454,380,411 भादवि	हबीबगंज
7	349/2019	379 भादवि	शाहपुरा
8	523/2019	401 भादवि	शाहपुरा
9	529/2019	379 भादवि	हबीबगंज
10	273/2020	188,भादवि 51 आपदा प्रबंधन	हबीबगंज
11	849/2020	34(2) आबकारी एक्ट	हबीबगंज
12	03/2022	जिला बदर	हबीबगंज
13	11/2023	जिला बदर	हबीबगंज

सराहनीय मुख्य भूमिका– निरी.अमित सोनी, उनि संजय दुबे, सउनि अनिल दुबे, प्रआर मुकेश कुमार पटेल, प्रआर सर्वेश सिंह, प्रआर रंजीत कुमार, आर. राकेश भारद्वाज, आर रजनीश कुमार (तकनीकी सहायता) आकाश, दीपक ।

भाजपा चलाएगी संविधान गौरव अभियान

● संवाद और समन्वय से संपन्न हुआ संगठन पर्व : सुदर्शन गुप्ता

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी 15 जनवरी से 25 जनवरी तक पूरे जिले में संविधान गौरव अभियान चलाएगी। इस दौरान जिला मुख्यालय पर गोष्ठीयों का आयोजन किया जाएगा एवं शैक्षणिक संस्थाओ में निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। संविधान गौरव अभियान एवं संगठन पर्व को लेकर जिला बैठक का आयोजन बुधवार को जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी सुदर्शन गुप्ता ने कहा कि जिले में बूथ से लेकर मंडल एवं जिले का निर्वाचन आपसी समन्वय और संवाद से संपन्न हुआ है। इस पूरे संगठन पर्व में भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओ ने पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा और अनुशासन बद्वता का परिचय दिया है। जिले के सभी निर्वाचित मंडल अध्यक्ष आगामी समय में संगठन को मजबूती प्रदान करेगें और पार्टी द्वारा दिए गए कार्यक्रमो को सफल बनाएगें। जिला बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला ने कहा कि हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान है। आपातकाल सहित कई बार कांग्रेस ने इस आत्मा को कुचलने का प्रयास किया है। हमारे पूर्वजो ने जेल की यातनाए सहकर संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की है। संविधान लागू होने के 75 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा पूरे जिले में संविधान गौरव अभियान संचालित करने जा रही है। उन्होने कहा कि हमारा संविधान हमारे वर्तमान एवं हमारे भविष्य का मार्गदर्शक है।

एमपी में भाजपा के 15 और जिला अध्यक्ष घोषित

नर्मदापुरम में पहली बार महिला को कमान अब तक 47 जिलाध्यक्षों का ऐलान

भोपाल । मध्यप्रदेश में भाजपा ने 15 और जिलों के लिए जिला अध्यक्षों के नामों का ऐलान किया है। भाजपा इससे पहले तीन बार में 32 जिला अध्यक्षों के नाम जारी कर चुकी है। अब तक कुल मिलाकर 47 जिला अध्यक्ष घोषित हो चुके हैं। बता दें कि

भाजपा 62 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्षों की घोषणा कर रही है। इस लिहाज से 15 जिलों की घोषणा अभी भी बाकी है।

बुधवार को इन्हें जिला अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा

जिला	भाजपा जिला अध्यक्ष
सीधी	देवकुमार सिंह
रायसेन	राकेश शर्मा
सिवनी	मीना बिसेन
रीवा	वीरेंद्र गुप्ता
बैतूल	सुधाकर पवार
बड़वानी	अजय यादव
बड़वानी	अजय यादव
अलीराजपुर	संतोष परवल
झाबुआ	भानू भूरिया
मुरैना	कमलेश कुशवाह
मंडला	प्रफुल्ल मिश्रा
भिंड	देवेंद्र नरवरिया
उमरिया	आशुतोष अग्रवाल
नर्मदापुरम	प्रीति शुक्ला
आगर	ओम मालवीय
मंदसौर	राजेश दीक्षित

एम्स में मोबाइल टावरों से होने वाले विद्युत चुंबकीय क्षेत्र उत्सर्जन पर जागरूकता

कार्यशाला का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, एम्स भोपाल ने दूरसंचार विभाग एमपी एलएसए (लाइसेंस सर्विस एरिया) कार्यालय के सहयोग से मोबाइल टावरों से निकलने वाले विद्युत चुंबकीय क्षेत्र (ईएमएफ) उत्सर्जन के बारे में फैली भ्रांतियों और गलतफहमियों को दूर करने के उद्देश्य से एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में बताया गया कि मोबाइल टावरों से होने वाले ईएमएफ उत्सर्जन पर विश्व स्तर पर व्यापक अध्ययन किए गए हैं, जिसमें वैज्ञानिक शोध से पता चला है कि नियंत्रित मोबाइल टावरों से होने वाला विकिरण सुरक्षित सीमा के अंदर है। इस कार्यशाला का उद्देश्य सरकार के नियमों, वैज्ञानिक आंकड़ों और सुरक्षा मानकों के बारे में सही जानकारी प्रदान करना था। कार्यशाला के दौरान, दूरसंचार विभाग एमपी एलएसए (लाइसेंस सर्विस एरिया) कार्यालय के महानिदेशक (अनुपालन) श्री मनोज वर्मा, सहायक महानिदेशक (अनुपालन) श्री राहुल साहू, सहायक मंडल अभियंता श्री शुभम यादव और सहायक निदेशक श्री सचिन शर्मा, ने मोबाइल टावरों से होने वाले ईएमएफ उत्सर्जन की न्यूनतम प्रभावशीलता और सुरक्षा उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

प्रो. सिंह ने इस कार्यशाला के महत्व पर कहा ईएमएफ उत्सर्जन को लेकर जनता की चिंताओं को वैज्ञानिक स्पष्टता के साथ संबोधित करने की आवश्यकता है। यह कार्यशाला समुदाय को शिक्षित करने और यह समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि नियामक दिशानिर्देशों का पालन करने पर मोबाइल टावर उत्सर्जन से कोई गंभीर जोखिम नहीं होता। इस कार्यशाला में उपनिदेशक (प्रशासन) कर्नल (डॉ.) अजीत कुमार, अधीक्षण अभियंता कर्नल चिरंजीव दास, उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. (मे.) मयंक दीक्षित के अलावा विभिन्न संकाय सदस्य, छात्र , नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बनने पर मयंक भार्गव को समाज ने किया सम्मानित

बैतूल। भार्गव समाज का राष्ट्रीय अधिवेशन गत दिनों उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हुआ था। अधिवेशन में अखिल भारतीय भार्गव सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के लिए निर्वाचन भी किया गया था। जिसमें दो वर्ष के लिए नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का चुनाव हुआ। कार्यकारिणी में भार्गव सभा बैतूल के वरिष्ठ सदस्य मयंक भार्गव राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए। इस अवसर पर भार्गव समाज बैतूल ने गत दिवस एक गरिमामय आयोजन कर मयंक भार्गव का सम्मान किया। लखनऊ में हुए भार्गव समाज के राष्ट्रीय अधिवेशन में अखिल भारतीय भार्गव सभा की कार्यकारिणी के चुनाव भी संपन्न हुए। जिसमें कार्यकारिणी के प्रधान, सचिव, कोषाध्यक्ष सहित अन्य पदों के लिए निर्वाचन किया गया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के रूप में बैतूल के मयंक भार्गव भी निर्वाचित हुए। इस उपलब्धि पर भार्गव सभा बैतूल के सदस्यों ने एक कार्यक्रम में श्री भार्गव का शाल-श्रीफल से सम्मान किया। समाज के वरिष्ठ सदस्य गोपाल-कविता भार्गव द्वारा आयोजित बैठक में यह सम्मान दिया गया। इसके बाद स्नेह भोज भी सभी ने किया। इस बैठक में समाज के अध्यक्ष दीपक भार्गव, सचिव सुधीर भार्गव, कोषाध्यक्ष चेतन भार्गव, प्रगति भार्गव सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। सभी ने इस आयोजन के लिए गोपाल-कविता भार्गव को धन्यवाद दिया।

एक्यूप्रेशर सुजोक प्राकृतिक थेरेपी शिविर कल से

बैतूल। श्री जैन स्थानक कोठी बाज़ार बैतूल के तत्वावधान में 6 दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन श्री जैन स्थानक कोठी बाजार में कल शुक्रवार से किया जा रहा है। इस शिविर में एक्यूप्रेशर सुजोक प्राकृतिक थेरेपी से कमर दर्द, घुटनों का दर्द, सर्वाइकल, सायटिका,जोड़ों का दर्द, लकवा, शुगर, बीपी, मोटापा, माइग्रेन, हाथ पैरों में झुनझुनी होना आदि अनेक बीमारियों का इलाज किया जाएगा। सुबह 9 बजे से 12.30 बजे तक शाम 3:30 बजे से 7.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने शिविर का लाभ लेने का आग्रह किया है।

विदिशा में कन्या पूजन के साथ प्रारंभ हुआ वृहद गरिमामय कार्यक्रम

● पीएम मोदी के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के तहत केंद्रीय शिवराज सिंह चौहान ने म.प्र. को दी बड़ी सौगात ● म.प्र. के 8.21 लाख परिवारों को पक्के आवासों की दी सौगात ● प्रधानमंत्री जी का संकल्प है देश के हर गरीब को मिले पक्का मकान – शिवराज सिंह ● म.प्र. में 12,636 करोड़ रु . की लागत से गरीबों के लिए बनेंगे पक्के मकान ● 8.21 लाख परिवारों को और भी अप्रैल – मई तक मिलेगी सौगात, शिवराज सिंह ने मंच पर ही सौंपा स्वीकृति पत्र

विदिशा/भोपाल/नई दिल्ली(नप्र)। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज अपने गृह प्रदेश म.प्र. को बड़ी सौगात देते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत गरीब परिवारों को आवंटन पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्य के मंत्री श्री प्रह्लाद पटेल, श्री लखन पटेल, विधायक श्री मुकेश टंडन सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। विदिशा में कन्या पूजन के साथ यह वृहद कार्यक्रम प्रारंभ हुआ, जिसके पहले रोड शो भी हुआ, जिसमें हजारों नागरिकों ने अपने लाड़ले भाई केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह के साथ ही मुख्यमंत्री का अत्यंत उत्साह के स्वागत - अभिनंदन किया। शिवराज सिंह के आग्रह पर मुख्यमंत्री ने विदिशा नगर निगम बनाने, सिंचाई योजनाओं के लिए सर्वे करने सहित अन्य मांगों को लेकर तत्काल सहमति की घोषणा की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम गरीबों के लिए आवास के तहत आज 8.21 लाख परिवारों को पक्के आवासों की ये सौगात दी गई है।मध्य प्रदेश में 12,636 करोड़ रु . की लागत से गरीबों के लिए ये पक्के मकान बनेंगे। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने बताया कि 8.21 लाख परिवारों को और भी अप्रैल - मई तक आवासों की सौगात मिलेंगी, जिसका शिवराज सिंह ने मंच पर स्वीकृति पत्र मुख्यमंत्री को सौंपा। शिवराज सिंह ने कहा कि केंद्र से एक साल में कुल लगभग 14 लाख मकानों की सौगात मिलेंगी, जो मध्य प्रदेश को पहले कभी नहीं मिली।

प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों का गृह प्रवेश हुआ, तो सभी के चेहरे खुशी से चमक रहे थे।इस मौके पर केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने हितग्राहियों के साथ ही लखपति दीदियों से सीधा संवाद किया। यहां

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि विदिशा मेरी कर्म भूमि है, विदिशा अदभुत जिला, अदभुत नगर है। यहाँ से मेरा वर्षों का संबंध है। सभी भाइयों में मैं शिव को देखता हूँ और सभी बहनों में मैं माँ को देखता हूँ। इसी शिव की और माता पार्वती मतलब जनता की सेवा ही भगवान की पूजा है। मैं धन्य हूँ कि आपने भाजपा को अद्भुत प्यार दिया है। आपने पिछला चुनाव 8 लाख से अधिक वोट से जिताया है। ये भाजपा का गढ़ है, यहाँ की जनता ने जनसंघ के जमाने से भाजपा को प्यार दिया है।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि मैंने चुनाव के समय कहा था कि जनता की सेवा में कोई कसर नहीं रहेगी। हमारे प्यार और स्नेह के रिश्ते हैं। प्रधानमंत्री जी का संकल्प है हर गरीब को पक्का मकान, इसको पूरा करने में मैं कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। हर एक का पक्का घर बनना चाहिए, मैंने कहा था और अब तो विभाग ही मेरे पास है। प्रधानमंत्री जी के तीसरे कार्यकाल में सितंबर में 3.68 लाख मकान हमने दिए थे, लेकिन इससे काम नहीं चल रहा। अपने दिख जाते हैं तो मुट्ठी खुल जाती है। 3.68 लाख मकान सितंबर में दिए थे, आज इसमें 8,21,190 मकान और जोड़े जा रहे हैं। ये इसी वित्तीय वर्ष में मध्यप्रदेश को और दिए जा रहे हैं, ताकि तेजी से मकान बन जायें। इन मकानों में विदिशा का भी नंबर है। अप्रैल के महीने में 8.21 लाख मकान और दिए जाएंगे। पूरा अगर जोड़ा जाए, तो इसमें 30,672 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। मैं मुख्यमंत्री जी को चिट्ठी दे रहा हूँ। पीएम जनमन के 1,59,104 मकान और भी हैं। कुल यदि जोड़ें तो लगभग 14 लाख मकान एक साल में पूरे मध्यप्रदेश को दिए जा रहे हैं। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि मेरे गरीबों के मकान बन जायें और ये चैन से हर मौसम में जी सकें।

उन्होंने कहा कि पीएम जनमन की पहली सड़क मध्यप्रदेश में बनी है।5,628 करोड़ रुपये की राशि मनरेगा के अंतर्गत मध्यप्रदेश को मिली हैं। पीएम ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत अभी 263 करोड़ रु. दिए हैं लेकिन 500 करोड़ रुपये और भी जारी किये जाएंगे। हत्ररू को 312.74 करोड़ रुपये की राशि दी गई है, जिससे बहनों को लखपति बनाना है। जो मकान रह गए हैं, नया सर्वे प्रारंभ किया जा रहा है। एक एक गरीब का नाम जोड़कर उनको मकान दिया जाएगा। श्री शिवराज सिंह ने बताया कि हमने इसमें अपात्रता की तीनों शर्तों को हटा दिया है। अब मोटरसाइकिल और स्कूटर मालिकों को इसमें जोड़ा जाएगा, 15,000 रुपये तक की आय वाली बहनों को इसमें जोड़ा जाएगा और ढाई एकड़ सिंचित और 5 एकड़ असिंचित जमीन के किसानों को भी जोड़ा जाएगा। अब हमने तय किया है कि सेल्फ सर्वे मान्य होगा। इससे कोई का नाम नहीं छूटेगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में चौथा चरण शुरू हो रहा है। 500 और 250 आबादी वाले क्षेत्रों को भी इसमें जोड़ा जाएगा। ग्रीन हाउस, पॉली हाउस, कृषि यंत्र देने जैसी योजनाओं के लिए भारत सरकार ने 384.18 करोड़ रुपये भेजे थे, इसमें 435 करोड़ रुपये और देने की मैं घोषणा करता हूँ। इससे किसानों को लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में श्री शिवराज सिंह चौहान ने बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों को एक देश एक चुनाव के समर्थन में संकल्प दिलाया।

Government of Madhya Pradesh

MPIDC MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

MSME MPSeDC

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएँ

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
24 25 फरवरी 2025, भोपाल

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव शहडोल

अपार संभावनाओं की भूमि

16 जनवरी, 2025 I पूर्वाह्न 11:00 बजे
यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, आर.जी.पी.वी., शहडोल

शुभारंभ
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
द्वारा

प्रमुख आकर्षण

4000+ प्रतिभागी | मुख्यमंत्री के साथ वन-टू-वन मीटिंग | 3 सेक्टर आधारित सत्र | प्रदर्शनी

फोकस सेक्टर

खनन एवं खनिज | ऊर्जा | कृषि एवं उद्यानिकी | पर्यटन एवं हस्तशिल्प

Website: invest.mp.gov.in
#RICShahdol

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @JansamparkMP JansamparkMP

INDUSTRY PARTNER CII Confederation of Indian Industry
INDUSTRY PARTNER EY Shape the future with confidence

D11159/24